वर्ष : 16 ❖ अंक : 194 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
बुधवार, 23 फरवरी 2022

पूर्वी एशियाई देशों का प्रवेश द्वार होगा मणिपुर : पीएम मोदी 8

अतीक, आजम और मुख्तार सपा-बसपा की सरकार में लोगों को करते थे परेशान : शाह 3

अत्याधुनिक खेती पद्धति को अपनाएं किसान : सीएम गोले

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 फरवरी । राज्य कृषि, बागवानी, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग के तत्वावधान में तादोंग स्थित सोकें-थांग में अत्याधुनिक तकनीकी आधार पर किए जाने वाली खेती हाइड्रोपोनिक्स, एक्वापोनिक्स तथा रूफ टप (टेरेस) फार्मिंग के लिए चेतना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसके साथ ही कृषि विभाग के मंत्री लोकनाथ शर्मा, विद्युत विभाग के मंत्री एमएन शेर्पा, क्षेत्र विधायत जीटी ढुंगेल, गंगटोक नगर निगम की उपमेयर छिरिंग पाल्देन भूटिया लगायत बागवानी, पशुपालन विभाग के उच्च पदस्थ अधिकारी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि भविष्य में जनसंख्या वृद्धि होने के बाद राज्य में पर्याप्त उत्पाद नहीं होगा। इसे ध्यान में रखकर अत्याधुनिक प्रविधि युक्त खेती की ओर किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने पहल आरंभ किया है। ग्रामीण क्षेत्र में किसान खेतों में खेती करते है लेकिन शहरी क्षेत्र के लोगों के लिए इस प्रणाली को प्रयोग में लाना होगा। इससे सब्जी उत्पादन में कमी नहीं होगी। उन्होंने जीएमसी से अपील की है कि शहरी क्षेत्र में इस प्रणाली को लेकर लोगों को जागरूक कराएं।

उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की है कि विद्यार्थी केवल सरकारी नौकरी ही नहीं बल्कि कृषि कार्य तरफ भी ध्यान दें। पिछले 30-35 साल में पढ़े लिखे व्यक्तियों की कमी के कारण बिना अंतरवार्ता

नौकरी दी जाती थी लेकिन वर्तमान में यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी डिग्री धारकों को नौकरी देना असंभव है। उन्होंने बताया कि आवश्यकता अनुरूप सरकारी कर्मचारी नियुक्ति कार्य चल रहा है, लेकिन विद्यार्थी को सरकारी नौकरी की भरोसे में न रहने की उन्होंने अपील की।

एसकेएम प्रचार प्रसार सचिव रंजना प्रधान के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक कार्यक्रम के पूर्व मुख्यमंत्री गोले ने प्रदर्शनी में रखे हाइड्रोपोनिक्स, एक्वापोनिक्स तथा रुफ टप फार्मिंग खेती नमूनों की अवलोकन की। हाइड्रोपोनिक्स अर्थात मिट्टी रहित पानी से होने वाली खेती, एक्वापोनिक्स खेती मछली पालन के साथ सब्जी खेती यह अत्याधुनिक प्रविधि और टेरेस फार्मिंग अर्थात घर के छत पर किए जाने वाली खेती विषय में विभागीय अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी।

दुग्ध उत्पादकों को सर्वाधिक कीमत देने वाला राज्य है सिक्किम : गोले

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 फरवरी । सिक्किम मिल्क यूनियन के द्वारा दूध के मूल्य में वृद्धि को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने स्पष्टीकरण दी है। इसकी जानकारी एसकेएम प्रचार-प्रसार महासचिव अभिषेक शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दी है।

उन्होंने मुख्यमंत्री गोले के द्वारा दिए गए वक्तव्य उल्लेख करते हुए कहा है कि तादोंग के सोकेथांग में अत्याधुनिक तकनीकी आधार पर किए जाने वाली विभिन्न खेती जैसे हाइड्रोपोनिक्स, एक्वापोनिक्स तथा रूफटॉप (टेरेस) फार्मिंग के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री गोले ने कहा है कि दूध का मूल्य नहीं घटाया गया है बल्कि गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए यह पहल किया गया है।

उन्होंने उल्लेख किया है कि दूध को लेकर बोलते हुए मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि सिक्किम राज्य दूध का सर्वाधिक मूल्य प्रदान करने वाले राज्य के रूप में है। दुग्ध उत्पादकों को सर्वाधिक मूल्य प्रदान करने वाले राज्य के रूप में भी सिक्किम है। उन्होंने उत्पादकों को प्रोत्साहित करते हुए आगामी 1 मार्च से दूध का न्यूनतम दर 40 रुपये करने की घोषणा की। फिलहाल इसका न्यूनतम मूल्य 36 रुपए है अब एक मार्च से इसका मूल्य वृद्धि कर 40 रुपये किया जाएगा। इसके साथ ही किसानों को प्राप्त होने वाली 8 रुपये अतिरिक्त प्रोत्साहन

राशि यथावत रहेगी जिसके साथ प्रति किलो 48 रुपये प्रति लीटर किसानों से खरीदा जाएगा।

उन्होंने आगे उल्लेख किया है कि मुख्यमंत्री ने इस चर्चे को ग्वालों को भ्रमित करने का काम बताया। उन्होंने आरोप लगाया है कि विगत 25 साल सरकार चलाने वालों ने किसानों के हित में एक भी काम नहीं किया। जिसे खेती के बारे में कुछ भी ज्ञान नहीं है वे विपक्षी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने आगे उल्लेख किया है कि अगर सरकार प्रोत्साहन राशि में कटौती करती तो दोष दे सकते थे लेकिन कभी कभी मूल्य में वृद्धि और कमी होती है।

दूध की कीमत को लेकर बीजेपी विधायक थापा ने सरकार को घेरा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 फरवरी । अपर बुर्तुक विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक डीआर थापा ने दूध की कीमत को लेकर सरकार पर निशाना साधा है और विधानसभा में उसकी ओर से दिखाए गए दस्तवेजों को लेकर स्पष्टीकरण की मांग की है।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में विधायक थापा ने कहा कि पिछले विधानसभा सत्र में मैंने विधायक की हैसियत से सरकार से सिक्किम के कृषि विकास को लेकर सवाल किया था। इसके जवाब में मुख्यमंत्री ने अपने जवाब में कहा था कि हमारी सरकार ने दूध की कीमत बढ़ाकर 58 रुपये कर दी है और दूधर पर आठ रुपये की दर से प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने इसे लेकर दस्तावेज भी दिखाए थे। मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि दूध की कीमत की गई मूल्य वृद्धि और प्रोत्साहन राशि कहां गई।

विधायक थापा ने कहा कि यह सरकार और विभाग की जिम्मेदारी है इस बारे में वह स्पष्ट करे। आज ग्रामीण इलाके में रहने वाले निम्न वर्ग के किसान खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। वे भ्रम की स्थिति में हैं और सरकार तथा विभाग अपनी जिम्मेदारी से भाग रहा है। सरकार की ओर से इस बारे में कोई भी

वास्तविक तथ्य सामने नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिक्किम के गरीब लोगों और कृषकों को ठगी का शिकार नहीं बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सिक्किम दूध प्रबंधन शाखा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी दी है कि उसे 35 लाख रुपये प्रति माह का नुकसान हो रहा है। लेकिन यह अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश मात्र है। सरकार को यह बताना होगा कि यह संस्था नुकसान में आखिर क्यों है। सरकार दूध के क्षेत्र को उद्योग नहीं बना पाई यह दुभाग्यपूर्ण, लज्जास्पद और गैरजिम्मेदाराना उदाहरण है, इसके लिए किसी को दोष नहीं दिया जा सकता है। सरकार और विभाग से जनता इतने गैरजिम्मेदाराना रवैए की अपेक्षा नहीं रखती है। कृषक और दूध उत्पादकों को सरकार अगर ठग रही है जो अत्यंत ही दुखद है। सरकार को दूध उत्पादकों को न्याय देकर ततकाल इस विवाद का समाधान करना चाहिए।

सिक्किम हमेशा से एक ट्रेंडसेटर रहा है : सीएम गोले

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 फरवरी । राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के उपस्थिति में नाबार्ड, गंगटोक द्वारा सिक्किम के लिए ऋण संगोष्ठी 2022-23 आयोजन किया। कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री गोले मुख्य अतिथि, कृषि एवं पशुपालन विभाग के मंत्री विशेष अतिथि, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव डा. के जयकुमार और भारतीय रिजर्व बैंक सिक्किम के महा प्रबंधक आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री गोले ने स्टेट फोकस पेपर 2022-23 जारी किया गया। इस अवसर पर नाबार्ड एजीएम भामा देउरी ने स्टेट फोकस पेपर प्रस्तुत किया। इसके साथ ही उन्होंने साल 2022-23 के लिए ऋण क्षमता अनुमान और नाबार्ड से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण पहलू पर प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री गोले ने नाबार्ड टीम को धन्यवाद दिया। उन्होंने नाबार्ड के द्वारा वैश्विक महामारी के संकट में किए काम की सराहना की। मुख्यमंत्री ने बैंकों, सरकारी विभागों, विशेष रूप से कृषि, बागवानी, पशुपालन, और मत्स्य पालन और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) नाबार्ड के सर्वोत्तम संभव परियोजनाओं से सिक्किम के लोगों के लिए पूर्ण समर्थन जारी रखने की भी सलाह दी। उन्होंने नाबार्ड की दीर्घकालिक परियोजना जनजाति विकास कोष आधारित परियोजना की भी सराहना की, जो सभी छह जिलों को कवर करते हुए लागू की गई है, जिससे 2,188 जनजाति परिवारों को लाभ होगा।

इसके अलावा, आज दो और परियोजनाओं को शामिल किया गया।

उन्होंने आगे कहा कि सिक्किम हमेशा से एक ट्रेंडसेटर रहा है और ऐसा ही एक क्षेत्र है धारा विकास योजना। धारा विकास सिक्किम राज्य में सूखे झरने को पुनर्जीवित करने और बनाए रखने के लिए एक अभिनव कार्यक्रम है।

कार्यक्रम ने राज्य के लिए एक ग्राम स्प्रिंग एटलस और एक जल स्रोत एटलस विकसित करने पर भी काम किया है। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि यह परियोजना भी नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित और समर्थित है। उन्होंने आगे कहा कि नाबार्ड ने सिक्किम के लिए जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय अनुकूलन कोष जैसे फंड भी लाए हैं।

अपने संबोधन में कृषि एवं बागवानी विभाग के मंत्री लोक नाथ शर्मा ने ग्रामीण विकास के विभिन्न क्षेत्रों में नाबार्ड द्वारा किए गए योगदान के बारे में बताया।

उन्होंने राज्य फोकस पेपर 2022-23 जारी करने के लिए नाबार्ड को भी बधाई दी और कृषि विकास के लिए कुल निधि का 38 प्रतिशत आवंटित करने के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नाबार्ड ने विभिन्न जिलों के प्रगतिशील किसानों को पुरस्कार प्रदान किया। इनमें से नामचेबोंग, पूर्वी सिक्किम के फ़िपराज सुब्बा, परेंग गांव, पश्चिम सिक्किम ओंग्डुप लेप्चा, अपर टोकल वार्ड, दक्षिण सिक्किम के पासंग भूटिया, उत्तर सिक्किम के जंगू के पेमचुंग लेप्चा शामिल थे।

विकलांगों की पहचान के लिए स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 फरवरी । राजधानी के न्यू एसटीएनएम अस्पताल में राज्यव्यापी विकलांगता शिविर के हिस्से के रूप में विकलांग व्यक्ति के लिए पहचान, मूल्यांकन और स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बाल विकास एवं महिला विभाग द्वारा शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं सामाजिक न्याय एवं कल्याण विभाग के सहयोग से किया गया है। शिविर का मुख्य उद्देश्य पूरे राज्य में विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) की पहचान करना, जो गृह आधारित शिक्षा के अंतर्गत आते हैं। इसके साथ ही उन बच्चों की पहचान करना, जिन्होंने अपने सामान्य पाठ्यक्रम का अध्ययन करना बंद कर दिया है। विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा विकलांग होने के संदेह वाले लोगों की स्क्रीनिंग, विकलांग व्यक्तियों के लिए विकलांगता प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड (विकलांगता के प्रतिशत के साथ) का प्रावधान, पीडब्ल्यूडी के मूल्यांकन के बाद और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करना और मानदंड में प्रदान किए गए विकलांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षा और प्रावधान प्रदान करना है।

उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम 2016 के अनुसार है, जो विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन (यूएनसीआरपीडी) के दायित्वों को पूरा करता है। अधिनियम में जिला न्यायालय द्वारा संरक्षण प्रदान करने का प्रावधान है जिसके तहत अभिभावक और विकलांग व्यक्तियों के बीच संयुक्त निर्णय लिया जाएगा।

ज्ञात हो कि 2011 की जनगणना के अनुसार, राज्य में कुल 18,187 विकलांग व्यक्तियों की पहचान की गई है। अब तक 5,767 व्यक्तियों को विकलांगता प्रमाण पत्र जारी किया जा चुका है। रिपोर्टों के अनुसार, लाभार्थियों को यूडीआईडी कार्ड का 52.18ज्कवरेज जारी किया गया है। यह कार्यक्रम राज्य के सभी छह जिलों के स्वास्थ्य केंद्रों को कवर करेगा जिसमें मंगन, गंगटोक, सिंगताम, पाकिम, नाम्ची, जोरथांग, गेजिंग और सोरेंग शामिल हैं।

एसकेएम दक्षिण जिला नारी शक्ति की समन्वय सभा सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 फरवरी । सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के दक्षिण जिला नारी शक्ति द्वारा नामची जिला पार्टी कार्यालय में एसकेएम पार्टी के 10वें स्थापना दिवस को लेकर समन्वय सभा आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि एसकेएम पार्टी की 10वें स्थापना दिवस जोरथांग खेल मैदान में आयोजित की जा रही है।

आज की सभा में राज्य स्तरीय नारी शक्ति अध्यक्ष कला राई, मुख्यमंत्री की अतिरिक्त राजनीतिक सचिव अंजिता राजलिम, दक्षिण जिला नारी शक्ति अध्यक्ष टी. डोमा, राज्य स्तरीय नारी कन्वेनर गंगा प्रसाईं, दक्षिण जिला नारी शक्ति उपाध्यक्ष कला सुब्बा, महासचिव प्रभारी दक्षिण सञ्जु राई, मल्ली निर्वाचन क्षेत्र की सीएलसी सभापति दिल कुमारी छेत्री लगायत दक्षिण जिला और विभिन्न निर्वाचन क्षेत्र स्तर के चेली मोर्चा सदस्य उपस्थित थे।

उपस्थित सदस्यों ने विभिन्न विचार और सुझाव रखा था।

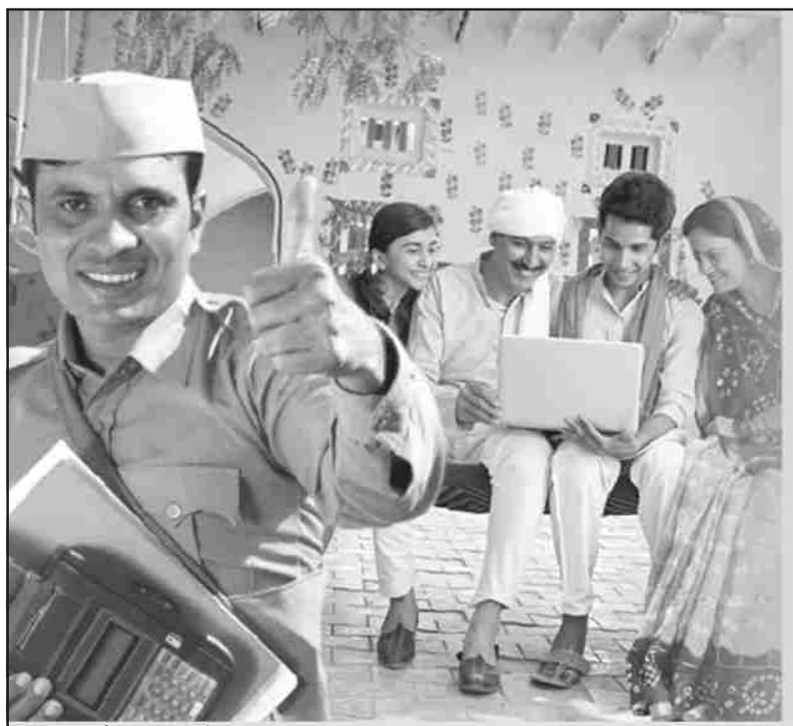

भारत सरकार
संचार मंत्रालय
डाक विभाग

आज़ादी का अमृत महोत्सव

जब गाँव होगें सुरक्षित तो देश होगा विकसित

ग्रामीण डाक जीवन बीमा. आपके भविष्य को दे सुरक्षा का घेरा.

ग्रामीण डाक जीवन बीमा योजना (आरपीएलआई) की शुरुआत सन् 1995 में ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए जीवन बीमा की सुविधाएं किफायती दरों में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई। आज लाखों ग्रामीण लोगों ने आरपीएलआई की पॉलिसी लेकर अपना और अपने परिवार के जीवन को सुरक्षित किया है। आइए, आप भी आरपीएलआई का हिस्सा बनिये।

आरपीएलआई के तहत पॉलिसी

सम्पूर्ण लाइफ अश्योरेन्स (ग्राम सरुक्षा)। एंडोमेंट अश्योरेन्स (ग्राम संतोष)। कनवर्टिबल सम्पूर्ण लाइफ अश्योरेन्स (ग्राम सुविधा)। एंटीसिपेटेड एंडोमेंट अश्योरेन्स (ग्राम सुमंगल)। ज्वाइंट लाइफ अश्योरेन्स (ग्राम युगल सुरक्षा)। चिल्ड्रन पॉलिसी (ग्राम बाल जीवन बीमा)

लाभ और विशेषताएँ : बीमा सीमा ₹ 10 लाख तक। ऋण सुविधा उपलब्ध। आयकर में छूट
भुगतान करने के विकल्प : ऑनलाइन : www.indiapost.gov.in। भारत के किसी भी डाक घर में

आरपीएलआई- कम प्रीमियम, ज्यादा बोनस. इससे बेहतर कुछ नहीं!

अधिक जानकारी के लिए कृपया कर्मा तोप्देन भूटिया, विकास अधिकारी (पीएलआई), सिक्किम डिवीजन, पोस्टमास्टर जनरल कार्यालय, सिक्किम राज्य, गंगटोक, मो. नं. 9593201450 से सम्पर्क करें। ई-मेल आईडी - dpsskm@indiapost.gov.in/ dpsskm@gmail.com

देवरिया में विपक्षियों पर बरसे नड्डा

बोले- सपा शासन में माफिया-बाहुबली दन-दनाते थे, अखिलेश ने आंखों में बांध रखी थी पट्टी

देवरिया, 22 फरवरी (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा और कहा कि सपा शासन में यूपी में माफिया-बाहुबली दन-दनाते थे। लेकिन अखिलेश ने आंखों में पट्टी बांध रखी थी। योगी जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद माफिया-बाहुबली जेल में बंद हैं।

नड्डा आज देवरिया जिले के रुद्रपुर विस क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी व राज्यमंत्री जय प्रकाश निषाद के समर्थन में रुद्रपुर के सतासी राज इंटर कालेज मैदान में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अखिलेश के शासनकाल में रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर गोलियां चलाई गईं। उन आतंकवादियों को जवाब देना है। कहा कि योगी जी ने यूपी से माफियाराज समाप्त किया, गुंडाराज समाप्त किया और देशद्रोहियों को जेल में डाला। हमने तय किया है कि देवबंद, मेरठ, रामपुर, आजमगढ़, कानपुर और बहराइच में एंटी टेररिस्ट कमांडो सेंटर बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के शासन में यूपी में करीब 200 दंगे हुए। पिछले 5 साल में यूपी में एक भी दंगा नहीं हुआ है। सपा सरकार कैराना से लोग पलायन कर गए। वो कहते हैं आतंकवाद कोई मुद्दा नहीं है। अयोध्या व वाराणसी में बम ब्लास्ट हुए थे। मुख्यमंत्री मुकदमे वापस लिए और आतंकियों को छोड़ दिया। अखिलेश रक्षक नहीं, भक्षक हैं। आतंकवादियों की रक्षा करने वाले हैं। समाजवादी पार्टी की सरकार आई तो अखलेिश यादव आतंकियों की रक्षा करेंगे।

नड्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया राज खत्म कर आर्थिक स्थिति सुधारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को सातवें से दूसरे स्थान पर खड़ा किया। योगी ने गुंडाराज समाप्त किया। देवबंद, मेरठ, कानपुर बहराइच आदि जगहों पर एंटी टेररिस्ट कमांडो सेंटर खुलेगा। कहा कि विधायक हमारा माध्यम है, देश और देवरिया की तस्वीर बदलने आए हैं। आपकी अंगुली में बहुत ताकत है।

नड्डा ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश में दो निशान दो विधान का विरोध किया। मोदी की सरकार आई अनुच्छेद 370 हटाई गई। मोदी के नेतृत्व में तीन तलाक का कानून समाप्त हुआ। यह कानून पाकिस्तान, अफगानिस्तान में नहीं है। यह होता है वोट का कमाल। कहा कि पहले भी दिवाली आती थी अयोध्या में दिवाली क्यों नहीं मनती थी। जय श्री राम का नारा सदियों से लग रहा है। मोदी की सरकार बनी तो मंदिर की राह आसान हुई। मंदिर बन रहा है। यह अंतर, अंगुली की ताकत का है। आज भव्य तरीके से मूर्ति विसर्जन भी होता है और पूजा भी होती है।

कहा कि कोरोना आया तो मोदी ने महिलाओं के खाते में 500 रुपये पहुंचा रहे हैं। किसानों को दो-दो हजार रुपये दिए जा रहे हैं। पांच साल पहले जब यूपी में आया था तो बिजली नहीं थी। आज घरों को बिजली पहुंच रही है। 2.5 करोड़ घरों में बिजली पहुंचाने का काम किया। मोदी ने कंडा (गोइठा) से निजात दिलाई, रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया। 50 करोड़ लोगों को इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड दिया। गंभीर बीमारियों से इलाज के लिए सरकार सहायता दे रही है। 11 करोड़ इज्जत घर बनवा कर महिलाओं को सुविधा दी।

कांग्रेस पर वार करते हुए नड्डा ने कहा कि कहा कि कांग्रेस के मुख्यमंत्री चन्नी कहते हैं यूपी के भइए, बिहार के भइए..इनको पंजाब में घुसने मत देना और प्रियंका गांधी तालियां बजाती हैं। फैसला आपको करना है।

कहा कि मोदी का अलग से और योगी का अलग से राशन गरीबों को दिया गया। यह डबल इंजन की सरकार है। उप्र में विकास की गंगा बह रही है। गोरखपुर में एम्स की सुरक्षा। 60 लाख नौकरियां देना तय किया है। 1.56 करोड़ घर बनेंगे।

यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों के लिए दिल्ली में हेल्पडेस्क शुरू

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेन्सी)। यूक्रेन में लगातार बदल रहे हालातों के बीच अब भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से वापस लाने की कवायद शुरू हो गई है। इस सिलसिले में एक ओर जहां केंद्र की ओर से भारतीय नागरिकों की वापसी के लिए स्पेशल फ्लाइट भेजी गई हैं, वहीं अशोक गहलोत सरकार ने दिल्ली बीकानेर हाउस में एक हेल्प डेस्क का संचालन शुरू किया है।

गौरतलब है कि भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए एयर इंडिया की स्पेशल फ्लाइट मंगलवार सुबह भारत से यूक्रेन के लिए रवाना हुई। यूक्रेन से स्पेशल फ्लाइट मंगलवार रात दिल्ली में लैंड करेगी। वहीं इसके बाद राजस्थान सरकार ने यूक्रेन से अपने राज्य के छात्रों की वापसी को सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली के छत्तीसगढ़ भवन से एक हेल्प डेस्क का संचालन शुरू किया है। मंगलवार को राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने बताया कि ये जिम्मेदारी संपर्क अधिकारी धीरज श्रीवास्तव को दी गई है, उन्हें नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। धीरज श्रीवास्तव नई दिल्ली के बीकानेर हाउस से इस काम को संचालित करेंगे। उनसे 0141-2229091/ 2229111, 08306009838 इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

धीरज श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य सरकार राजस्थानीयों की देश-विदेश में सुरक्षा को लेकर सचेत है तथा यूक्रेन में वर्तमान में जो हालात चल रहे हैं उससे प्रभावित जो भी प्रवासी राजस्थानी वापस आना चाहता है उसकी हर संभव सहायता की जाएगी।

उन्होंने बताया कि यूक्रेन संकट से प्रभावित कोई भी व्यक्ति मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 181 पर सीधा संपर्क कर सकता है।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन में चल रहे वर्तमान संकट और तनावपूर्ण परिस्थितियों के बीच राजस्थान सरकार यूक्रेन में बसे प्रवासी राजस्थानीयों और वहां पर पढ़ाई कर रहे राजस्थान के विद्यार्थियों की सुरक्षा और उनकी सुरक्षित घर वापसी के लिए निरंतर निगरानी रख रही है।

राज्य सरकार के अनुसार प्रवासी राजस्थानियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए आयुक्त धीरज श्रीवास्तव विदेश मंत्रालय, भारत सरकार और यूक्रेन में भारतीय दूतावास के साथ समन्वय स्थापित कर प्रवासियों की हर संभव मदद करेंगे।

उल्लेखनीय है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को यूक्रेन के दो अलगावादी क्षेत्रों लुहान्स्क और दोनेत्स्क को स्वतंत्र देश की मान्यता दे दी है। इन दोनों ही क्षेत्रों में रूस समर्थित अलगाववादियों का नियंत्रण है। रूस के इस दिशा में लिए गए कई फैसलों से यूक्रेन-रूस के बीच तनाव काफी बढ़ गया है।

चुनाव आयोग ने नियमों में दी ढील, रैली के लिए लिमिट खत्म

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेन्सी)। चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव के लिए नियमों में ढील देने का फैसला किया है। चुनाव आयोग के अनुसार जिला अधिकारियों की पूर्व अनुमति से रोड शो की इजाजत दे दी है। इसी के साथ चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों की बैठकों, रैलियों, रोड शो के लिए 50 फीसदी क्षमता की पाबंदी को अब हटा दिया है। चुनाव आयोग ने कोरोना वायरस संक्रमण को ध्यान में रखते हुए रैली कई प्रतिबंध लगाए थे। हालांकि, बीच में भी चुनाव आयोग ने नियमों में ढील देते हुए 50 फीसदी क्षमता के साथ रैली करने की अनुमति दी थी।

इससे पहले रविवार को चुनाव आयोग ने सभी पार्टियों के लिए स्टार प्रचारकों की संख्या के संबंध में बड़ी राहत दी थी। कोविड-19 मामलों में गिरावट का हवाला देते हुए, चुनाव आयोग ने स्टार प्रचारकों की संख्या को बहाल कर दिया था, जिससे अब सभी पार्टियां नियम के मुताबिक पहले जितनी संख्या में स्टार प्रचारकों को मैदान में उतार सकती हैं। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्यीय दल अधिकतम 40 स्टार प्रचारकों को मैदान में उतार सकते हैं। अन्य पार्टियां जो पंजीकृत हैं लेकिन मान्यता प्राप्त नहीं हैं, उनके पास अब 20 स्टार प्रचारक हो सकते हैं।

बता दें कि चुनाव आयोग के अनुसार पांच राज्यों में कुल सात चरणों में विधानसभा चुनाव का ऐलान किया था। इसमें से अब तक तीन चरणों के चुनाव हो चुके हैं। अब चार चरण के चुनाव बचे हुए हैं। इसमें चौथे चरण के लिए 23 फरवरी को, पांचवें चरण के लिए 27 फरवरी को, छठवें चरण के लिए 3 मार्च और सातवें चरण के लिए 7 मार्च को वोट डाले जाएंगे।

पेगासस जासूसी मामले पर जांच समिति की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश, शुक्रवार को सुनवाई

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेन्सी)। पेगासस जासूसी मामले की जांच के लिए गठित न्यायमूर्ति रविंद्रन समिति ने उच्चतम न्यायालय में अपनी अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना, न्यायमूर्ति आर सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की खंडपीठ समिति की अंतरिम रिपोर्ट एवं अन्य जनहित याचिकाओं पर शुक्रवार को सुनवाई करेगी। इसी खंडपीठ ने पिछले साल समिति का गठन किया था। समिति द्वारा अंतरिम रिपोर्ट पेश करने की वजह से माना जाता है कि यह वह आगे की जांच के लिए अतिरिक्त समय की मांग अदालत से करेगी।

खंडपीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 27 अक्टूबर 2021 को शीर्ष अदालत के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश आर वी रवींद्रन की अध्यक्षता में तीन सदस्यों की एक समिति गठित थी। खंडपीठ ने समिति से आठ सप्ताह में अपनी जांच पेश करने की अपेक्षा की थी। न्यायमूर्ति रविंद्रन को सहयोग करने के लिए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी आलोक जोशी तथा डॉ संदीप ओबरॉय को समिति का सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया था। समिति की देखरेख में तीन सदस्यीय विशेष तकनीकी जांच दल मामले की छानबीन कर रहा है। दल में सदस्य के तौर पर प्रो. नवीन चौधरी, प्रो. अश्विनी गुमस्ते और प्रो. पी. प्रबाहरण तकनीकी पहलुओं से जांच कर रहे हैं।

प्रो. चौधरी, (साइबर सिक्योरिटी एड डिजिटल फॉरेंसिक्स), डीन- नैशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, गांधीनगर (गुजरात), प्रो. प्रदाहरण (स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग) अमृत विश्व विद्यापीठम, अमृतपुरी, केरल और डॉ गुमस्ते, इंस्टिट्यूट चेयर एसोसिएट प्रोफेसर (कंम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुंबई से हैं।

पेगासस मामला इजरायल की निजी कंपनी एनएसओ ग्रुप द्वारा बनाए गए पेगासस जासूसी सॉफ्टवेयर भारत सरकार द्वारा कथित तौर पर खरीदने से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि इस सॉफ्टवेयर को भारत समेत दुनिया भर के बड़े संख्या में लोगों के स्मार्ट मोबाइल फोन में गुप्त तरीके से डालकर उनकी बातचीत की जासूसी की गई।

रूस-यूक्रेन विवाद में भारत आ रही सूरजमुखी तेल की खेप में देरी संभव

चेन्नई, 22 फरवरी (एजेन्सी)। रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते विवाद से न सिर्फ कच्चे तेल की आपूर्ति खतरे में आयी है बल्कि इसकी वजह से यूक्रेन से सूरजमुखी तेल की खेप लेकर भारत आने वाले मालवाहक जहाज भी देर से यहां पहुंचेंगे।

खाद्य तेल उत्पादक कंपनियों ने यूक्रेन संकट पर गहरी चिंता व्यक्त की है और उनका मानना है कि रूस और यूक्रेन के बीच अगर युद्ध छिड़ता है तो यूक्रेन से आने वाले मालवाहक पोतों को रूस रोक सकता है। उन्होंने साथ ही इस बात पर भी चिंता जतायी है कि अगर रूस पर प्रतिबंध लगाये जाते हैं तो इससे भारत को दोगुना नुकसान होगा क्योंकि भारत यूक्रेन के अलावा रूस से भी सूरजमुखी तेल का आयात करता है।

उनके मुताबिक यूक्रेन संकट से सूरजमुखी तेल की खुदरा कीमतों पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि तब अर्जेंटीना और रूस से तेल खरीदा जा सकता है। उन्होंने हालांकि उम्मीद जतायी है कि यूक्रेन संकट अधिक नहीं गहरायेगा और आने वाले समय में इसका हल निकल जायेगा।

इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधाकर देसाई ने आईएएनएस को बताया कि भारत हर माह करीब दो लाख टन सूरजमुखी तेल का आयात करता है और कभी-कभी यह आंकड़ा तीन लाख टन तक भी पहुंच जाता है। भारत अपनी जरूरत का करीब 60 प्रतिशत खाद्य तेल आयात करता है और वैश्विक पटल पर किसी भी हलचल का प्रभाव इस पर पड़ेगा।

देसाई के मुताबिक भारतीय आयातक यूक्रेन के विकल्प के रूप में रूस और अर्जेंटीना को देख सकते हैं। यूक्रेन की तरह रूस भी सूरजमुखी का बड़ा उत्पादक है।

खाद्य तेल उद्योग क्षेत्र की शोध सलाह कंपनी सनविन ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संदीप बजोड़िया ने आईएएनएस से कहा कि भारत में आयातित सूरजमुखी तेल का 70 फीसदी हिस्सा यूक्रेन का, 20 प्रतिशत रूस का और 10 प्रतिशत अर्जेंटीना का है।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन करीब 170 लाख टन, रूस करीब 155 लाख टन और अर्जेंटीना करीब 35 लाख टन सूरजमुखी के बीज का उत्पादन करता है। पेराई के दौरान इन बीजों के वजन का करीब 42 प्रतिशत तेल निकलता है।

इमामी एग्रोटेक लिमिटेड के सीईओ देसाई का कहना है कि यूक्रेन और रूस से आयातित तेल की कीमत कमोबेश एक समान है। इनकी वैश्विक कीमत 1,500 से 1,525 डॉलर प्रति टन के करीब है।

उन्होंने कहा कि पिछले 20 दिन से यूक्रेन से भारत आने वाली सूरजमुखी तेल की खेप में देर हो रही है और मालवाहक पोतों की कतार खड़ी हो गयी है।

देसाई ने कहा कि अगर यूक्रेन संकट दो से तीन सप्ताह और जारी रहता है तो इसका दबाव भारतीय बाजार पर भी महसूस होगा क्योंकि भारत में तेल भंडार को भरा नहीं जा सकेगा। हमें उम्मीद है कि फरवरी से मार्च के बीच यूक्रेन से डेढ़ से दो लाख टन सूरजमुखी तेल की आवक होगी।

बजोरिया का कहना है कि फरवरी में यूक्रेन से एक भी जहाज सूरजमुखी तेल को लेकर रवाना नहीं हो पाया है। सूरजमुखी तेल का देश का सबसे बड़ा बाजार दक्षिण भारत है।

यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास के मुताबिक यूक्रेन के साथ भारत का द्विपक्षीय कारोबार 2019-20 के दौरान 2.52 अरब डॉलर का था, जिसमें 463.81 अरब डॉलर का निर्यात और 2,060.79 अरब डॉलर का आयात शामिल है।

भारत से यूक्रेन को दवायें, रिएक्टर/ब्वॉयलर मशीन, मशीनी सामान, तिलहन, फल, कॉफी, चाय, मसाले, लौह अयस्क, स्टील आदि निर्यात किये जाते हैं जबकि भारत वहां से मुख्य रूप से सूरजमुखी तेल, अकार्बनिक रसायन, आयरन, स्टील, ख्रलास्टिक, रसायन आदि का आयात करता है।

एशिया प्रशांत में भारत यूक्रेन का सबसे बड़ा आयातक देश है जबकि विश्व स्तर पर इसका पांचवा स्थान है।

राम मंदिर के लिए तरसाने वालों को वोट के लिए तरसाओ : योगी

अयोध्या, 22 फरवरी (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को अयोध्या में राम मंदिर की राह में रोड़े अटकाने का आरोप लगाते हुए लोगों से अपील की कि इन तीनों दलों ने राम मंदिर के लिए वर्षों तक देश के लोगों को तरसाया है और अब मौका आ गया है जब राम भक्त इन्हें वोट के लिए तरसा दें।

मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए योगी ने लोगों से इन तीनों दलों को वोट की चोट से विसर्जन करने की अपील भी की और राज्य में फिर भाजपा सरकार बनाने के लिए अयोध्या की पांचों विधानसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों को जिताने का आग्रह किया।

अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए योगी ने कहा कि आप याद कीजिए मैं पांच साल पहले आया था, तब कहा था राम लला हम आएंगे और मंदिर भव्य बनाएंगे। क्या राममंदिर का निर्माण सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकार में हो सकता था। हम (भाजपा) जो कहते हैं वह करते हैं। हमने फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या किया। अब अयोध्या में भव्य राममंदिर बन रहा है। अगले साल तक भव्य राम मंदिर बनकर तैयार भी हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया अयोध्या की ओर देख रही है जबकि सपा की सरकार में राम भक्तों पर गोली चली थी। यही नहीं सत्ता में आने के बाद सपा सरकार ने आतंकवादियों के मुकदमे वापस लेने का पहला निर्णय लिया था। सपा का हाथ आतंकवादियों के साथ है और अभी भी सपा की संवेदना आतंकवादियों के प्रति रही है। अब रामभक्तों पर गोली चलाने वाले बबुआ भी अयोध्या के लोगों का वोट मांग रहा रहे हैं। ऐसे लोगों को सीधे जवाब दो, जिन्होंने राममंदिर के लिए लोगों को तरसाया, उन्हें वोट के लिए तरसाओ। ऐसे दलों का अब वोट की चोट से विसर्जन कर दीजिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने कोरोना से बचाव के लिए लोगों के इलाज की व्यवस्था की

तथा फ्री टेस्ट और सभी को मुफ्त वैक्सीन दी। हमने बिजली देने में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं किया। राशन भी उपलब्ध कराया गया। अयोध्या में 48,400 गरीबों को आवास दिए गए। यहां के 50,400 किसानों का कर्ज माफ किया गया। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि क्या सपा सरकार में यह सब आपको मिलता था।

उन्होंने कहा कि चुनाव का ऐलान होते ही पांच वर्षों में बिलों में छिपे पेशेवर माफिया अपने बिलों से बाहर निकल कर धमकी दे रहे हैं। इन धमकीबाजों की गर्मी को 10 मार्च के बाद शांत कर दिया जाएगा। कोरोना कालखंड में भाजपा ही लोगों की मदद करने के लिए आगे आयी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश भर में हर उस जगह को लेकर सक्रिय रहे जहां कोरोना संक्रमण फैल रहा था।

भाजपा की डबल इंजन सरकार ने फ्री में टेस्ट, उपचार और वैक्सीन की सुविधा दी। संकट में सभी को डबल डोज राशन का भी मिला। हम अयोध्या की पांचों सीटें जीतेंगे तो यूपी में 325 सीटों का समर्थन भाजपा को प्राप्त होगा। यूपी में 325 सीट जीतने का मतलब प्रदेश में एक मजबूत और दमदार सरकार होगी। प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनने पर एक हाथ में विकास की छड़ी होगी तो दूसरे हाथ में बुलडोजर की स्टेयरिंग होगी। प्रदेश विकास के रास्ते पर आगे बढ़ेगा साथ ही माफियाओं और गुंडों के खिलाफ कार्रवाई होती रहेगी।

आज होगा चौथे चरण के लिए 59 सीटों पर मतदान

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए बुधवार को 9 जिलों की 59 सीटों पर मतदान होना है। इन 59 सीटों पर मोदी और योगी सरकार के कई मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। 23 फरवरी को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ, रायबरेली, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फतेहपुर, बांदा और उन्नाव की 59 सीटों पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो जाएगा।

इस चरण में मोदी सरकार के मंत्री अजय मिश्रा टेनी और कौशल किशोर के साथ-साथ योगी सरकार के कई मंत्रियों और भाजपा के दिग्गज नेताओं की भी प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अजय मिश्रा टेनी और कौशल किशोर के संसदीय क्षेत्रों में आने वाली विधानसभाओं में बुधवार को मतदान होना है।

योगी सरकार के मंत्रियों की बात करें तो उत्तर प्रदेश सरकार के कानून मंत्री और भाजपा के बड़े ब्राह्मण नेताओं में गिने जाने वाले ब्रजेश पाठक लखनऊ कैंट विधानसभा से चुनाव लड़ रहे हैं। पाठक पिछली बार लखनऊ मध्य से चुनाव जीते थे लेकिन भाजपा ने इस बार उनकी सीट बदल दी है। 1991 से भाजपा की सबसे मजबूत सीट माने जाने वाले लखनऊ पूर्व विधानसभा सीट से योगी सरकार के वरिष्ठ मंत्री आशुतोष टंडन एक बार फिर से चुनाव लड़ रहे हैं।

फतेहपुर जिले की हुसैनगंज विधानसभा सीट पर योगी के एक और मंत्री रणवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी भैया और इसी जिले की बिंदकी विधानसभा सीट पर दूसरे मंत्री जय कुमार सिंह जैकी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। जैकी भाजपा के सहयोगी दल अपना दल (एस) के नेता है और पिछली बार फतेहपुर की जहानाबाद विधानसभा से चुनाव जीते थे लेकिन इस बार वो अपना दल (एस) के टिकट पर ही बिंदकी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

सरोजनी नगर सीट से भाजपा ने प्रदेश सरकार के मंत्री स्वाति सिंह का टिकट काटकर ईडी के पूर्व अधिकारी राजेश्वर सिंह को चुनावी मैदान में उतारा है। सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली की सदर विधानसभा सीट पर भाजपा ने कांग्रेस की ही विधायक रही अदिति सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है।

हरदोई सदर विधानसभा सीट से भाजपा ने सपा के विधायक और उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष रह चुके नितिन अग्रवाल को अपना उम्मीदवार बनाया है। नरेश अग्रवाल के बेटे नितिन अग्रवाल तीन बार विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं और चौथी बार चुनावी मैदान में खड़े हैं। इन दिग्गजों के अलावा ऊंचाहार विधानसभा सीट पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है।

2017 के विधानसभा चुनाव में इन 59 सीटों में से 51 सीट पर भाजपा और एक सीट पर उसकी सहयोगी अपना दल (एस) ने जीत हासिल की थी। भाजपा के लिए इस प्रदर्शन को दोहरा पाना एक बड़ी चुनौती है।

अतीक, आजम और मुख्तार सपा-बसपा की सरकार में लोगों को करते थे परेशान : शाह

प्रतापगढ, 22 फरवरी (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि अतीक अहमद, आजम खान और मुख्तार अंसारी सपा, बसपा के शासन काल में सबको परेशान करते थे, आज जेल में हैं।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह मंगलवार को बुधवार को रानीगंज विधानसभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि तीन चरणों का मतदान हो चुका है। यूपी से सपा, बसपा और कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो चुका है। 300 से अधिक सीटों के साथ भाजपा सरकार बनाने जा रही है। अखिलेश बाबू अच्छे गेंदबाज नहीं हैं। यदि फुलटास बाल मिले तो चौका लगाना ही चाहिए। कहा कि योगी जी ने पूरे उत्तर प्रदेश को सुरक्षित करने का काम किया है। अतीक अहमद, आजम खान और मुख्तार अंसारी सपा बसपा के शासन काल में सबको परेशान करते थे। आज ये सब जेल में हैं। अगर आपने गलती से भी अखिलेश की सरकार ला दी, तो ये जेल में रहेंगे क्या?

अमित शाह बोले कि अखिलेश बाबू आज मैं हिसाब देने और आपसे हिसाब मांगने भी आया है। एक करोड़ 67 लाख लोगों को फ्री रसोई गैस कनेक्शन मिले। भाजपा की सरकार बनते ही होली में फ्री में गैस सिलेंडर घर पहुंच जाएगा। महिलाओं को शर्म न महसूस हो इसलिए भाजपा ने बड़ी संख्या में शौचालय बनवाए।

उन्होंने कहा कि सपा-बसपा-कांग्रेस जो जातिवाद, परिवारवाद के आधार पर चलती हैं, ये उत्तर प्रदेश का विकास नहीं कर सकती। इनके शासन में घोटालों के गड्ढे, परिवारवाद का स्पीड ब्रेकर, माफियाओं की टोल वसूली रही। इन्होंने गरीबों, पिछड़े और महिलाओं के लिए नो-एंट्री कर दी थी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस के समय में शौचालय नहीं बनाए गए। महिलाओं के सम्मान की बात सोची भी नहीं। पहले बिजली आती ही नहीं थी अब बिजली ही नहीं मिलती बल्कि गरीबों के घर में बिजली का कनेक्शन फ्री दिया जा रहा है। एक बार फिर सरकार बनाइए, पांच साल तक किसानों को बिजली का बिल नहीं भरना पड़ेगा।

शाह बोले कि यह माफिया का क्षेत्र है, हमारे सांसद साथी संगम लाल अक्सर दबंगों की चर्चा करते थे। योगी जी ने माफिया पर नकेल कस दी है। अपराध कम हुए हैं। दो हजार करोड़ की जमीन भूमाफिया कब्जाए थे, अब वह गरीबों को मिल रही है। भाजपा ने जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टीकरण खत्म किया।

गृहमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कई सालों तक देश पर राज किया। उन्होंने जगजीवन राम जी और बाबा साहब अम्बेडकर का अपमान करने के अलावा कुछ नहीं किया। इतने साल हो गए, बाबा साहब अम्बेडकर जी को भारत रत्न नहीं मिला था, जब कांग्रेस पार्टी गई, तब बाबा साहब को भारत रत्न देने का काम हुआ।

कहा कि पिछली सरकारों ने, कुंभ हो या अर्ध कुंभ, सभी में घोटाले और अव्यवस्थाएं की थीं। 2019 में योगी जी ने यहां भव्य कुंभ का आयोजन कराकर पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति को पहुंचाने का काम किया। अर्ध कुंभ में 71 से ज्यादा देशों के राजदूत संगम में आए थे।

आतंकी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने के खिलाफ थी सपा सरकार : पीएम मोदी

बहराइच, 22 फरवरी (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समाजवादी पार्टी पर बड़ा हमला बोला और कहा कि सपा सरकार, आतंकी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने तक से खिलाफ थी। इसलिए मैं कहता हूं जो लोग देश की नहीं सोच सकते, देश की सुरक्षा को ताक पर रखते हैं, वो यूपी का कभी भला नहीं कर सकते।

प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को बहराइच में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जिन लोगों पर यूपी में एक नहीं बल्कि कई-कई बम धमाकों का आरोप था, ये लोग उन आतंकवादियों को जेल से रिहा करने का पक्का निर्णय करके बैठे थे। ये आतंकवादियों पर मुकदमा तक नहीं चलाना चाहते थे। समाजवादी सरकार, आतंकी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने तक से खिलाफ थी। इसलिए मैं कहता हूं, जो लोग देश की नहीं सोच सकते, देश की सुरक्षा को ताक पर रखते हैं, वो यूपी का कभी भला नहीं कर सकते।

मोदी ने कहा कि इन लोगों ने दशकों तक गरीबी हटाओ और समाजवाद के नाम पर वोट बटोरे और धन लूटा। यूपी में हमसे पहले सत्ता में रहे लोगों ने गरीबों को गरीबी से लड़ने के लिए न अस्त्र दिये न शस्त्र दिये। हम लोगों ने गरीबों के लिए बैंकों के दरवाजे खोल दिये। जनधन खाते के साथ मोबाइल को जोड़ने से सुरक्षा चक्र मजबूत हो गया। आप जितनी ताकत हमें देंगे, हम उतने ही मजबूत फैसले लेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा की योजनाओं का बखान करते हुए कहा कि दोबारा सपा की सरकार बनी तो योजनाएं बंद हो जाएंगी। माफियावादियों को मौका मिला तो ये लोग गांव गरीब की योजनाओं को बंद कर देंगे। इन्हें मौका मिला तो बदला लेने की फिराक में हैं। ये लोग कमीशन, क्राइम, कब्जेजारी फिर से करने लगेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी के लोगों ने लगातार तीन बार (2014, 2017, 2019) में परिवारवादियों को हराया है। इस बार भी परिवारवादियों को हराने की तैयारी कर चुके हैं। मोदी ने कहा कि यूपी में आपके लिए नए रास्ते खुल रहे हैं। बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए स्कूलों की स्थिति सुधारी जा रही है। पांच साल में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर हुई है। सरकार लोगों को मुद्रा योजना और स्टार्टअप के लिए पैसे दे रही है। पांच लाख रुपये तक के इलाज की मुफ्त सुविधा दी जा रही है। गांव में भी वेलनेस सेंटर खुल रहे हैं। यह सब बिना भेदभाव और बिना तुष्टिकरण हो रहा है।

मोदी ने कहा कि हमारी सरकार संकट के समय कभी भी किसी का साथ नहीं छोड़ती, बल्कि गरीब परिवार का संबल बनकर खड़ी रहती है। गरीबों के लिए सरकार की इसी संवेदनशीलता को इस कोरोना के काल में भी देखा है और महसूस किया है।

कहा कि आप देख रहे हैं कि इस समय दुनिया में कितनी उथल-पुथल मची हुई है। ऐसे में आज भारत का ताकतवर होना, भारत और पूरी मानवता के लिए बहुत जरूरी है। आज आपका एक-एक वोट भारत को ताकतवर बनाएगा। हमने तमाम संघर्षों से लोहा लेते हुए, आजादी से यहां तक का सफर तय किया है। हर भारतीय का ध्येय एक विकसित और समृद्ध भारत है। इस समृद्ध भारत के लिए उत्तर प्रदेश का विकसित और समृद्ध होना उतना ही जरूरी है।

कहा कि गरीब के घर में अनहोनी हो जाए तो उस परिवार पर क्या बीतती है। पैसे की कमी गरीब पर दोहरा संकट ला देती है। इसी को ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना शुरू की है। प्रीमियम भी एक योजना के लिए केवल 90 पैसे और दूसरी योजना के लिए एक महीने का एक रुपया रखा गया। इन योजनाओं के माध्यम से गरीब को दो-दो लाख रुपये का सुरक्षा कवर दिया गया। यूपी के साढ़े चार करोड़ गरीब इस योजना से जुड़े हुए हैं। इस योजना से गरीबों को एक हजार करोड़ की मदद मिली है।

बोर्ड परीक्षा रद्द करने वाली याचिका पर आज सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट बुधवार को एक याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें सभी राज्य बोडरें, सीबीएसई, आईसीएसई और एनआईओएस द्वारा आयोजित की जाने वाली कक्षा 10 और 12 की ऑफलाइन परीक्षा रद्द करने की मांग वाली याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग की गई है।

याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर, जो पिछले साल परीक्षाओं के लिए सीबीएसई के 30:30:40 वैकल्पिक मूल्यांकन मानदंडों के आधार पर परीक्षाओं के संचालन की देखरेख कर रहे थे।

अधिवक्ता प्रशांत पद्मनाभन के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि सीबीएसई, आईसीएसई, एनआईओएस और राज्य बोर्ड में पढ़ने वाले कई छात्रों ने याचिकाकर्ता अनुभा श्रीवास्तव सहाय से उन मुद्दों के लिए संपर्क किया, जो वे बोर्ड परीक्षा के संबंध में सामना कर रहे हैं और इस जनहित याचिका के परिणाम से सीधे प्रभावित हैं।

याचिका के अनुसार, 'अन्य याचिकाकर्ता छात्रों के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के माता-पिता भी हैं, जो बोर्ड के फैसले से व्यथित थे। इस परीक्षा में प्रदर्शन के लिए जो मानसिक दबाव बनाया जाता है, वह इतना अधिक है कि हर साल कई छात्र डर के मारे आत्महत्या कर लेते हैं।'

पद्मनाभन ने मंगलवार को न्यायमूर्ति खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने का उल्लेख किया। पीठ ने निर्देश दिया कि याचिका की एक अग्रिम प्रति सीबीएसई को दी जाए।

याचिका में कहा गया है, 'कोविड -19 वायरस से संक्रमित होने के अतिरिक्त डर के साथ छात्रों को परीक्षा में शामिल होना और उनका सामना करना न केवल अनुचित होगा, बल्कि यह बिल्कुल अमानवीय होगा।'

याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि उनका दावा वास्तविक है और संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत शिक्षा के उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा करना आवश्यक है।

याचिका में शीर्ष अदालत से सीबीएसई, आईसीएसई, एनआईओएस और राज्य बोडरें के कक्षा 10, 11 और 12 के छात्रों के मूल्यांकन के वैकल्पिक तरीके के बारे में ऑफलाइन परीक्षा के बजाय संबंधित अधिकारियों को एक अधिसूचना पारित करने का निर्देश जारी करने का आग्रह किया गया था।

याचिका में दूसरा याचिकाकर्ता छात्र संघ ओडिशा है। याचिका में देश के विभिन्न हिस्सों के उन छात्रों की सूची भी शामिल है, जिन्होंने बोर्ड परीक्षा के मुद्दों के संबंध में सहाय से संपर्क किया था।

GOVERNMENT OF SIKKIM
EAST DISTRICT ZILLA PANCHAYAT

RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT

GANGTOK, SIKKIM

NIT No.: 01(A)/SE(N/E)/EDZP/JJM/2021-22 **Dated: 16/02/2022**

NOTICE INVITING TENDER

For and on behalf of the Government of Sikkim, Superintending Engineer (N/E), EDZP, Rural Development Department invites sealed tenders on Item Rate basis under single bids system from eligible Contractors of Class II-B Grade from **23-Syari Constituency** enlisted with the Sikkim Public Works Department for the execution of the work with the details as under.

Sl No.	Name of Work	Civil Work Value i/c 12% GST & 1% Labour CESS (In Lakhs)	Earnest Money (In Lakhs)	Cost of Tender Documents (In Lakhs)	Completion Time
1.	Retro-fitting/Augmentation at Rongnek under Rongay Tathangchen GPU in East Sikkim	₹ 275.734	₹ 6.893	0.50	06 Months

Note:

1. The eligibility of Contractors shall be in accordance with the Notification No:0.1/Gos/R&B/Gen/200506/109(A)/Plg dt.: 28/09/2021. The tender is open only for the Contractor of **23-Syari Constituency.** The Contractors should be a resident and elector of **23-Syari Constituency.** The residential address in the Contractor Englishment Certificate should be within the territorial jurisdiction of **23-Syari Assembly Constituency.**
2. The Earnest Money Deposit indicated in the above table is extempted for Enlisted Women Contractors participating in the bidding process. In case of Women Contractors being qualified as L1 bidder, the issue o the Work Order shall be governed by **Notification No: 104/R&B Dated 08/10/2020.**

Time Schedule

Sl No.	Particulars	Date	Time
1	Date of submission of application along with Bank Receipt	17.03.2022	10:00 am to 4:00 pm
2	Date of issue of Tender Documents and Tender Form on production of TDR. (Refer Note 2 above for Women Contractors)	21.03.2022	10:00 am to 4:00 pm
3	Submission of bid documents	23.03.2022	10:00 am to 1:00 pm
4	Opening of bid documents	23.03.2022	2:00 pm onwards

CONDITIONS OF CONTRACT

1. The intending tenders/contractors should apply in writing for the issue of tender documents. The application would invariably be signed by the contractor himself/herself. The tender documents shall not be issued to any person other than **the INTENDING TENDERER**.
2. The applicants should enclose attested copies of following along with the application:
   a) Validated/Updated Contractor Enlistment Certificate. Further, it is mandatory to produce the Original validated/updated Enlistment Certificate during sale/issue of the Tender Document for verification.
   b) Latest Goods & Service Tax Clearance Certificate issued from the office of the Commercial Tax.
   c) Professional Tax Clearance Certificate issued from the office of Commercial Tax.
   d) PAN Card.
   e) Bank Receipt in original.
   f) Voter ID card.
   g) Aadhaar Card.
3. The intending tenderers/contractors should apply in writing to the Superintending Engineer (N/E), EDZP, Rural Development Department for issue of tender documents. The same should be accompanied by a Bank Receipt of the State Bank of Sikkim (non-refundable) under the receipt **Head: 0210.01.800-other receipts"** in favour of the Accounts Officer, EDZP, Rural Development Department. Tender form and documents shall be issued only on production of the TDR. In case of the Enlisted Women Contractors participating in the bidding, the cost of the earnest Money Deposit shall be governed by **Notification No: 104/R&B Dated 08/10/2020.**
4. Earnest Money Deposit @2.5% of the cost put to tender shall be deposit in the form of Temporary Deposit Receipt/Fixed Deposit Receipt from the State Bank of Sikkim or any Nationalized Bank in favor of the Account Officer, EDZP, Rural Development Department. Tender form and documents shall be issued only on production of the TDR. In Case of the Enlisted Women Contractors participating in the bidding, the cost of the Earnest Money Deposit shall be governed by **Notification No: 104/R&B Dated 08/10/2020.**
5. The soft copy of the **BOQ/SCHEDULE OF QUANTITIES** shall be provided along with the tender documents on submission of Earnest Money Deposit as mentioned vide sl no 4. The intending tenderers/contractors shall submit his/her bid in the printed format as per the soft copy of the **BOQ/SCHEDULE OF QUANTITIES** provided. In case the bidder submits the bids in hand written format, the same shall be summarily rejected.
6. The tenderer shall inspect the site and have their own correct assessment before submitting the bid.
7. The tender Documents, including the TRD, Tender Form with quoted offer in the **BOQ/SCHEDULE OF QUANTITIES** provided should be placed in a sealed cover with the name of the tenderers and the name of the work superscripted on it. The tenderer should sign on every page of the tender documents as acceptance of the general direction and conditions of the contract and other laid down norms. Supporting documents listed vide Sl. No. 2 should be enclosed with the offer.
8. Sealed tenders may be deposited in the Tender box in the office of the Superintending Engineer (N/E), EDZP, Rural Development Department, Gangtok on the date and within the time indicated above.
9. The rate quoted should be both in figures and words and should be inclusive of GST and all other Taxes in vogue.
10. Over writing and correction should be avoided and if made should be authenticated. Incomplete/Conditional tenders shall be rejected forthwith.
11. Tenders will be opened by the Tender Opening Committee as prescribed by the Government in the presence of the tenderers on the date and time indicated above.
12. In case of any discrepancy in the specifications printed in the **BOQ/SCHEDULE OF QUANTITIES** issued with the tender documents, specification as per approved Schedule of Rates-2020 will be taken as correct. For items outside the SOR, the decision of the Chief Engineer/Head of the Department will be final.
13. The Department reserves the rights to withhold payments to the contractor unless test certificates are produced by the contractor when called upon to do so.
14. Avoidable damages due to negligence of the contractor shall be at his/her own risk and cost. The department shall not be liale for payment of such damages (if any), including accidents to labours at site.
15. The offer shall remain valid for a period of 90 days. The work should commence within 15 (Fifteen) days from the date of issue work order.
16. All the conditions as mentioned in the NIT shall be deemed to be a part of the agreement to be entered within the contractor. Security deposit shall be collected by deductions from the running bills of the contractor @5% of the value of work done.
17. The department reserves the rights to accept or reject any or all tenders without assigning any reasons thereof.
18. The recoveries including deduction of taxes and duties as applicable shall be as per the rates notified by the Government from time and as applicable on the date of payment.
19. Subletting of contract work is against the norms and if it comes to the notice, the original contract shall be canceled and appropriate action shall be initiated as per the rules.
20. In case the man power employed by the contractors are from outside the State or neighboring countries, it shall be the responsibility of the contractors to the them registered with the labour Department, Government of Sikkim as per the relevant Labour Law.
21. The contractors shall also make arrangements to have photographs of the works taken up at least of three stages during the construction period i.e. beginning, middle and completion state.
22. Quarrying of non-stock materials shall be allowed only from designated/ approved quarries.
23. Damage to properties in and around the work site must be avoided at all cost. The contractor shall be held responsible for any act of negligence and shall bear the responsibility to repair/ restore such damage.
24. Expenditure involved for material testing, cube strength of concrete at site or in laboratories shall be borne by the contractor. The contractor shall make necessary arrangement accordingly as and when instructed by the concerned authorities.
25. The cost of stock materials and other materials, if any, supplied from the Department store will be deducted from the contractors bills the prevalent recovery rate.

Sd/-
Superintending Engineer (N/E), EDZP,
Rural Development Department
Government of Sikkim, Gangtok

R.O. No. 325/IPR/PUB/Classi/21-22
DT.: 22.02.2022

शिवमोगा में तनाव

सांप्रदायिकता जब अपना खेल खेलती है, तो आमतौर पर यही होता है। चंद दिनों के भीतर ही पूरा कर्नाटक सूखे फूस के ढेर-सा लगने लगा है, जहां हर चिनगारी अब डराती है और हर घटना आग में घी डालती हुई दिखती है। राज्य के शिवमोगा जिले में बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की हत्या के बाद पूरे कर्नाटक में जो तनाव सतह पर उभर आया है, वह पूरे देश में ही सिहरन पैदा कर रहा है। उत्तर प्रदेश में, जहां इस समय विधानसभा चुनाव चल रहे हैं, वहां इस तरह की खबरें नई परेशानियां भी खड़ी कर सकती हैं। हम अभी नहीं जानते कि इस हत्या का ठीक-ठीक कारण क्या था, लेकिन जो हालात हैं, उनमें इस मामले को राज्य में चल रहे हिजाब-विवाद से जोड़कर देखा जाना स्वाभाविक है। अगर यह मामला हिजाब विवाद से नहीं भी जुड़ा हो, तब भी यह विवाद को और भड़काने का काम तो करेगा ही। और अगर यह हत्याकांड हिजाब विवाद से जुड़ा है, तो इसका अर्थ यह हुआ कि राजनीति एक बेवजह विवाद को निर्ममता की हद तक खींचकर ले गई है। देश में ऐसे लोगों की कमी नहीं, जो इसे किसी भी तरह हिजाब विवाद से जोड़ना चाहेंगे, क्योंकि उनके राजनीतिक हित ऐसे ही विवादों से सधते हैं। यही वजह है कि पुलिस किसी नतीजे पर पहुंचे, उससे पहले ही आरोपों का ढेर लग गया है।

प्रशासन ऐसे मौकों पर खास तरह से काम करता है और उस तरह के कदम उठाए जाने की खबरें भी आ रही हैं। मूल रूप से यह विवाद स्कूल, कॉलेजों से शुरू हुआ था, इसलिए ऐसे सभी शिक्षण संस्थानों को फिलहाल बंद कर दिया गया है। सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। जिन इलाकों में तनाव बढ़ने की आशंका है, पुलिस ने उन सभी इलाकों की बैरीकेडिंग कर दी है। ऐसे प्रयासों के पीछे दरअसल कोशिश यही रहती है कि अगर कुछ लोगों में गुस्सा है या फिर किसी किस्म की अफवाहें वगैरह अगर लोगों को उत्तेजित कर रही हैं, तो टकराव की आशंकाओं को लगातार कम किया जाए। लेकिन ऐसे ही मौके पर हमें राज्य के एक मंत्री का ऐसा बयान सुनाई देता है, जो प्रशासन के इन प्रयासों पर पानी फेर सकता है।

बेशक, आग में घी डालने वाले और भी हैं। कर्नाटक में पिछले कुछ दिनों से जो कुछ हो रहा है, वह बताता है कि किसी भी तनाव के बाद शांति कायम करने वाले लोग समाज में लगातार कम होते जा रहे हैं। पक्ष और विपक्ष के ऐसे बयान लगातार ही सुनाई दे रहे हैं, जो विवाद को किसी भी तरह से ठंडा नहीं होने देंगे। इन सबकी शह पर कुछ ऐसे संगठन भी सक्रिय हैं, जो एक नितांत संवेदनशील मुद्दे का निपटारा सड़कों पर ही कर लेना चाहते हैं। समाज के बुद्धिजीवी तबके ने भी सब कुछ अदालत के भरोसे छोड़ दिया है। मुमकिन है कि अदालत हिजाब विवाद को किसी अंजाम तक पहुंचा दे, लेकिन इस बीच जो तनाव बढ़ेगा, हो सकता है, कल को वह भड़कने का कोई और बहाना खोज ले। इसलिए प्राथमिकता इसी तनाव को घटाने की होनी चाहिए। अचानक ही हमारा पूरा समाज उस मोड़ पर पहुंच गया है, जहां सहिष्णुता की बात करने वाले लोग बहुत कम हो गए हैं। इन स्थितियों को अगर जल्दी से जल्दी नहीं बदला गया, तो आज हम जो कर्नाटक के स्तर पर देख रहे हैं, वही हालात हमें देश के दूसरे हिस्सों में भी परेशान कर सकते हैं।

संपादकीय पृष्ठ

रोजगार पैदा करने का कौशल

पत्रलेखा चटर्जी

देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में इन दिनों विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं, जहां लगभग ब्राजील की ही तरह बीस करोड़ लोग रहते हैं। दांव असाधारण रूप से ऊंचा है। कहने की जरूरत नहीं कि इस विधानसभा चुनाव का नतीजा 2024 के लोकसभा चुनाव को प्रभावित करेगा। लेकिन चुनावों से अलग एक और महत्वपूर्ण मुद्दा है, जो उत्तर प्रदेश के भविष्य को आकार देगा, चाहे कोई भी निर्वाचित हो। वह है- उत्तर प्रदेश के बच्चों और युवाओं की स्थिति।

हालांकि इस संबंध में हाल के वर्षों में सुधार और पहल हुई है, लेकिन स्थिति चुनौतीपूर्ण है। कोरोना वायरस महामारी ने भारत के बच्चों और युवाओं के प्रारंभिक वर्षों को बुरी तरह प्रभावित किया है, साथ ही पहले से मौजूद उनकी समस्याओं को और बदतर बनाया है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में पैदा होने वाले प्रत्येक 1,000 बच्चों में से लगभग 60 बच्चे अपना पांचवां जन्मदिन नहीं देख पाते हैं, हालांकि यह स्थिति 2015-2016 से बेहतर है, जब प्रति 1,000 बच्चों के जन्म पर मृत्यु दर 78.1 थी, लेकिन यह अब भी अस्वीकार्य रूप से उच्च है।

उत्तर प्रदेश में लाखों बच्चे जो जीवित बच जाते हैं, वे अपनी स्कूली शिक्षा पूरी नहीं कर पाते। सितंबर, 2021 की एक रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश के 13 जिलों में 35 प्रतिशत से ज्यादा बच्चों ने आठवीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी। राज्य सरकार की ओर से केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भेजी गई एक रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति सिद्धार्थनगर जिले में देखने को मिली, जहां आधे से ज्यादा (53.5 फीसदी) बच्चों ने आठवीं पास करने के बाद नौवीं कक्षा में दाखिला नहीं लिया।

शिक्षाविदों का कहना है कि बड़ी संख्या में गरीब लोगों वाले राज्य में, शिक्षित युवाओं की शैक्षिक योग्यता के आधार पर नौकरी पाने में कठिनाई और अक्षमता माता-पिता द्वारा बच्चों को माध्यमिक या उच्च शिक्षा पाने की अनुमति देने के प्रति अनिच्छुक होने के एक प्रमुख कारक के रूप में काम करती है। जो बात इसे और जटिल बनाती है, वह है परिवार के लोगों में असुरक्षा की भावना कि एक शिक्षित युवा को न तो नौकरी मिल पाएगी और न ही वह खेती के पारिवारिक पेशे में शामिल हो पाएगा।

इसलिए स्पष्ट रूप से यह आवश्यक है कि अभिभावकों और बच्चों की काउंसिलिंग के साथ एक प्रमुख घटक और व्यावसायिक कौशल के साथ-साथ मेधावी और योग्य बच्चों को वित्तीय सहायता पाने के अवसरों के रूप में जिला विशिष्ट हस्तक्षेप किया जाए। राज्य में युवाओं के लिए प्रमुख मुद्दा और उत्तर प्रदेश की सबसे प्रमुख चुनौती युवाओं के लिए रोजगार सृजन के आर्थिक अवसरों का विस्तार करना है। हाल के वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार ने कौशल विकास के क्षेत्र में कई पहल की हैं। लेकिन उत्तर प्रदेश एक विशाल राज्य है और विभिन्न क्षेत्रों और जिलों के बीच भारी असमानताएं हैं।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की 2017 की रिपोर्ट में कहा गया है कि 'एक और सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शिक्षा व कौशल की मांग और आपूर्ति में कोई तालमेल नहीं है, जो राज्य और देश के बाकी हिस्सों में भी युवाओं की समग्र रोजगार क्षमता को प्रभावित करती है।' रिपोर्ट बताती है कि 'एक तरफ नियोक्ता कुशल जनशक्ति की कमी की शिकायत करते हैं, तो दूसरी तरफ शिक्षित युवाओं में, विशेष रूप से महिलाओं में बेरोजगारी की दर बहुत उच्च है।

शिक्षा के व्यावहारिक पहलुओं की अपर्याप्त जानकारी के कारण नियोक्ता बहुत से रोजगार खोजने वाले युवाओं को नौकरी देने लायक नहीं समझते हैं (फिक्की, 2010)।' यह बताता है कि श्रम शक्ति के बीच अपेक्षाकृत खराब शैक्षिक और कौशल स्तर आधुनिक आर्थिक क्षेत्र में उनकी रोजगार क्षमता को कम कर रहा है। लेकिन यह समस्या पूरे राज्य में तीव्र नहीं है। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की एक बड़ी बात इसके विकास में महत्वपूर्ण क्षेत्रीय असमानताएं हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश विकसित है, जहां बुंदेलखंड और पूर्वी क्षेत्र की तुलना में रोजगार योग्य युवाओं की संख्या कहीं अधिक है।

लखनऊ स्थित गिरी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज में अर्थशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर के.श्रीनिवास राव द्वारा 2020 के एक शोधपत्र में बताया गया कि उत्तर प्रदेश में हर साल लगभग 9,361 संस्थान सीधे कौशल प्रदान कर रहे हैं। इनमें उच्च कौशल का योगदान 18.22 प्रतिशत, अर्ध-कौशल का 77.42 प्रतिशत और शेष 4.36 प्रतिशत संस्थान उत्तर प्रदेश में न्यूनतम कौशल का योगदान करते हैं। राज्य में इन कौशलों का वितरण चौंकाने वाला है-राव के शोध में सैंपल जिलों के आंकड़ों से पता चलता है कि कम विकसित जिलों की तुलना में दोनों क्षेत्रों के विकसित जिलों में कौशल प्रदान करने वाले संस्थान अधिक हैं।

राव बताते हैं कि चुने हुए जिलों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर और बुंदेलखंड के झांसी जिलों में बांदा और एटा जिलों की तुलना में अधिक संख्या में डिग्री और पॉलिटेक्निक छात्रों के दाखिले किए गए हैं।

एक अन्य प्रमुख मुद्दा, जिसे उत्तर प्रदेश में ठीक करने की जरूरत है, वह है भारत की श्रम शक्ति में युवा महिलाओं की कम भागीदारी। यह एक राष्ट्रव्यापी समस्या है, लेकिन उत्तर प्रदेश में बहुत स्पष्ट है। केंद्र सरकार की पहल, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अनुरूप कौशल विकास के लिए आवंटित धन के कारण रोजगार के लिए शीर्ष राज्यों की रैंकिंग में उत्तर प्रदेश से बेहतर प्रतिक्रिया मिली है।

अगली चुनौती पूरे राज्य में समान प्रभाव की है। जो कोई भी लखनऊ की गद्दी के लिए चुना जाता है, उसे यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि समावेशी विकास की क्षमता को उजागर करने के लिए हर जिले में इन योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पहल करनी होगी और सरकार के हस्तक्षेप का प्रभाव, चाहे वह शिक्षा के लिए हो, या रोजगार या कौशल के लिए हो, भी अधिक समान रूप से दिखना चाहिए।

नीलामी में क्यों बिकने चाहिए क्रिकेटर

संदीप जोशी

आज इस देश में बहस के लिए मुद्दों की कोई कमी नहीं है। लोकतंत्र में चुनाव उत्सव माने जाते हैं, क्योंकि चुनाव के जरिये समाज से सही और सच्चे को चुनने की उम्मीद लगाई जाती है। ठीक उसी तरह उद्योग या बाजार पर समभाव की आर्थिक व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी रहती है। यह सही है कि बाजार हमारे समाज का अहम हिस्सा है, जो खरीदार की मांग से चलता है।

लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग या आईपीएल में वस्तु की जगह व्यक्ति या खिलाड़ी बिकते हैं। क्रिकेट खिलाड़ियों को धनी बनाने के लिए उनकी नीलामी होती है। अमुक खिलाड़ी इतने में बिका या उतने में खरीदा गया। या अमुक खिलाड़ी को किसी भी मालिक ने नहीं खरीदा। यानी बहस जारी है, लेकिन विचार गायब है। पिछले दिनों बेंगलुरु में इंडियन प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों की मंडी सजी थी।

कुल 10 फ्रैंचाइजी टीम मालिक दुनिया भर के करीब 600 क्रिकेट खिलाड़ियों की नीलामी में जुटे थे। वहां बोली लगी और खिलाड़ियों को खरीदने-बेचने का खेल शुरू हुआ। टीवी पर सीधे प्रसारण में खेल फिर शर्मसार हुआ। खेल प्रेमियों को यह जताया जाता रहा है कि नीलामी ही वह व्यवस्था है, जिससे क्रिकेट खिलाड़ियों को खूब धन दिलाया जा सकता है।

इससे क्रिकेट प्रेमियों को बरगलाया जाता है। जबकि दुनिया भर में किसी भी खेल में खिलाड़ियों की नीलामी नहीं होती है। अन्य खेलों के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा और मैदान पर अच्छा खेलने से धन कमाते हैं। प्रतिभा और अच्छे खेल से धन कमाना सरेआम नीलाम होने से कहीं ज्यादा सम्मानजनक सौदा है। नीलामी दरअसल वह प्रक्रिया है, जिसमें वस्तु को खरीदने-बेचने के लिए या कैसी भी सेवा प्रदान करने के लिए बोली लगाई या ली जाती है।

किसी भी वस्तु को सबसे उंची बोली लगाने वाले को बेचा जाता है। या सबसे नीची बोली लगाने वाले से खरीदा जाता है। नीलामी में टीम मालिकों के सामने क्रिकेट खिलाड़ियों को व्यक्ति के बजाय वस्तु माना जाता है। क्रिकेट खिलाड़ियों को नीलामी असम्मानजनक आखिर क्यों नहीं लगती है? और क्रिकेट प्रेमी अपने चहेते खिलाड़ियों को नीलाम होने ही क्यों दे रहे हैं? क्रिकेट का भरपूर आनंद और रोमांच देने वाले बेहद लोकप्रिय आइपीएल में नीलामी वस्तुत: एक काला धब्बा है।

घोड़े जरूर नीलाम होते हैं, लेकिन कमाई के धन की समझ घोड़े को नहीं होती। उसके दौड़ने की प्रतिभा या कला-कौशल से भी उसका कोई लेना-देना नहीं रहता। सवाल है कि क्या टीम मालिक खरीदे गए क्रिकेट खिलाड़ियों को घुड़दौड़ के घोड़ों के रूप में देखते हैं। यह माना कि कलाकारी बिकती है, लेकिन क्या कलाकार भी बिकने चाहिए? क्रिकेट का खेल भी एक कला है।

जब क्रिकेट के खिलाड़ी नीलामी में बिक रहे हैं, तो फिर खेल खरीदने-बिकने से किस तरह बचा रह सकता है? खेल समृद्ध होता है, तभी तो खिलाड़ी भी संपन्न होते हैं। सवाल यह है कि खेल को समृद्ध बनाने के लिए खिलाड़ी को नीलाम करना क्यों जरूरी है। दुनिया की सबसे समृद्ध फुटबाल की इंग्लिश प्रीमियर लीग में सभी खिलाड़ी संपन्न हैं, लेकिन वहां कोई भी खिलाड़ी नीलाम नहीं होता।

पिछले साल कोरोना काल में इस लीग के टीम मालिकों के बीच साठगांठ हुई और टीवी कंपनी से मिलकर एक अलग यूरोपीय लीग कराने का फैसला लिया गया। वैसे में नजर अंदाज किए गए फुटबॉल प्रेमी जब विरोध में सड़कों पर उतरे, तब लीग रद्द हुई। तब टीम मालिक और आयोजकों को समझ में आया कि असल खेल चलाने वाले तो फुटबॉल प्रेमी ही हैं।

पहले मैदान पर क्रिकेट देखने आने वाले खेल प्रेमियों से खेल चलता था। उसके बाद क्रिकेट को टीवी पर दिखाया जाने लगा। लोकप्रिय खेलों को टीवी पर दिखाने के लिए प्रायोजकों का प्रचार होने लगा। क्रिकेट चलाने में उद्योग या बाजार का धन लगने लगा। खेलों में धन आया, तो खिलाड़ी भी संपन्न हुए। मगर बाजार के मुनाफे के मकसद भी बनाए गए। बाजार खुद को खेल और खिलाड़ियों का मालिक मानने लगा।

फिर खिलाड़ी और मालिकों के बीच गठजोड़ हुआ, तो खेल प्रेमी सिर्फ टीवी के दर्शक भर ही रह गए। आज उद्योग के धन और बाजार के प्रयोजन से ही क्रिकेट का खेल होता है। आईपीएल में क्रिकेटरों की नीलामी को सही ठहराने वाले लोग कहते हैं कि खिलाड़ियों को उनके खेल जीवन-यापन के लिए जरूरी धन इसी तरह मिल सकता है। लगन से, मेहनत कर, जी-जान लगाने वाले खिलाड़ियों को उनकी प्रतिभा, कौशल और अच्छा खेलने के लिए खूब धन मिलना ही चाहिए।

खेल की उम्र चूंकि जीवन की उम्र से छोटी होती है, इसलिए खिलाड़ियों के खूब कमाने में किसी को नाक-भौं नहीं सिकोड़नी चाहिए।

लेकिन नीलामी के धन से खेलने की नैतिकता तय नहीं होती। खेल का कौशल तय नहीं होता। इससे खिलाड़ी की सही कीमत या मूल्य भी तय नहीं होता। हां, धन के गुलाम खिलाड़ियों पर मालिकाना हक जरूर तय होता है। नीलामी सिर्फ अंधेर नगरी, चौपट राजा/ टके सेर भाजी, टके सेर खाजा का आभास देती है। क्रिकेट प्रेमियों को अपना प्रेम दर्शाना होगा, क्योंकि यह हमारा खेल है।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TEESTA MORNING
Draw No:65 DrawDate on:22/02/22
1st Prize ₹1 Crore/- 88J 86066
Cons. Prize Rs.1000/- 86066 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
00505 01393 32558 40943 52949 55258 61053 79264 86077 95713
3rd Prize ₹450/-
0354 0663 1922 5733 6270 6694 7976 8409 8448 8522
4th Prize ₹250/-
3175 3312 4122 5704 6447 7030 7153 9158 9484 9864
5th Prize ₹120/-
0172 0333 0360 0549 0651 0883 1008 1229 1257 1275
1316 1456 1507 1508 1576 1614 1620 1643 1766 1860
1861 2011 2082 2132 2310 2369 2378 2417 2696 2755
2800 2864 2925 2953 3088 3135 3211 3261 3301 3421
3583 3962 4314 4323 5069 5091 5174 5178 5217 5233
5264 5397 5447 5466 5960 6269 6313 6394 6448 6638
6651 6739 6745 6794 6996 7102 7126 7142 7178 7193
7311 7341 7471 7597 7639 7706 7710 7753 8004 8091
8114 8185 8390 8575 8750 8844 8874 8953 9109 9178
9244 9399 9420 9447 9506 9714 9748 9759 9785 9885
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR PARROT EVENING
Draw No:165 DrawDate on:22/02/22
1st Prize ₹1 Crore/- 37K 27600
Cons. Prize Rs.1000/- 27600 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
08124 17552 31912 35655 35843 69796 72953 76103 77448 80069
3rd Prize ₹450/-
0107 2057 2834 3662 5094 6722 7223 7939 8937 9575
4th Prize ₹250/-
3309 3351 3401 4466 4516 5535 7344 8841 9404 9884
5th Prize ₹120/-
0058 0244 0461 0477 0722 0725 0764 0828 0997 1110
1275 1330 1624 1664 1679 1921 1938 1988 2277 2319
2338 2380 2608 2696 2744 3078 3339 3340 3346 3380
3383 3519 3537 3630 3631 3712 3823 3831 4064 4211
4257 4265 4432 4436 4591 4602 4603 4691 4881 4904
4984 5157 5282 5296 5319 5358 5454 5504 5628 5913
5919 5969 6014 6115 6118 6177 6197 6296 6357 6576
6608 6611 6615 6962 7111 7113 7127 7196 7242 7270
7405 7426 7683 7700 7801 8003 8016 8073 8081 8418
8590 8602 8636 8858 8918 9040 9125 9329 9514 9820
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MOON TUESDAY
Draw No:65 DrawDate on:22/02/22
1st Prize ₹1 Crore/- 82E 64926
Cons. Prize Rs.1000/- 64926 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
12752 33222 34348 38126 57240 71678 73086 79118 80455 98647
3rd Prize ₹450/-
0527 2499 2687 3760 4451 5670 7036 7445 7654 7739
4th Prize ₹250/-
0948 1356 1359 2399 3892 4286 5319 6278 7703 9510
5th Prize ₹120/-
0038 0050 0076 0113 0281 0283 0286 0347 0466 0867
0940 0997 0999 1029 1103 1251 1261 1310 1469 1508
1544 1556 1634 1709 1723 1736 1803 1890 2001 2034
2077 2391 2403 2461 2919 2999 3287 3421 3462 3532
3728 3815 3869 4056 4068 4138 4570 4609 4634 4648
4694 4867 4944 4972 5072 5096 5128 5140 5310 5588
5590 5597 5936 5954 6324 6341 6372 6455 6721 6872
6901 7021 7053 7127 7195 7243 7253 7286 7741 7757
7827 7960 7988 8242 8354 8824 8855 8872 8922 8954
9073 9183 9220 9264 9296 9301 9478 9557 9744 9887
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR 100 PARROT TUESDAY
Draw No:6 DrawDate on:22/02/22
1st Prize ₹20LAKHS/- 13726
2nd Prize ₹9000/-
1203 3802 4589 5149 7489 7787 8584 9181 9249 9741
3rd Prize ₹5000/-
1571 2810 3681 4467 5069 5080 6646 7521 7940 8369
4th Prize ₹2000/-
0302 0863 3012 3428 4284 6780 8112 8820 9654 9954
5th Prize ₹1000/-
1134 2267 2524 3893 4132 7547 7897 7949 8282 9777
6th Prize ₹500/-
0449 0692 0881 0936 1090 1112 1205 1261 1395 1431
1645 1701 1786 1849 1869 1922 2013 2077 2099 2251
2357 2484 2537 2566 2588 2691 2755 2973 3043 3105
3125 3218 3221 3261 3283 3308 3368 3468 3524 3549
3622 3886 3894 3909 3931 3983 4013 4014 4093 4099
4245 4326 4504 4525 4548 4620 4688 4717 4830 4849
4898 4930 4936 5246 5420 5512 5520 5752 5753 5793
5886 6278 6350 6470 6634 6890 7115 7154 7324 7676
7698 7709 7744 7785 8011 8077 8125 8186 8345 8643
8915 8943 8982 9003 9024 9135 9436 9489 9550 9721
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 07:00 PM
LABHLAXMI TOPAZ TUESDAY
Draw No:6 DrawDate on:22/02/22
1st Prize ₹10,000/- 9834
2nd Prize ₹5,000/- 3488
3rd Prize ₹500/- 2274
4th Prize ₹300/- 6715
5th Prize ₹200/- 7335
6th Prize ₹100/-
0001 0056 0093 0102 0123 0124 0137 0161 0182 0185
0190 0215 0238 0241 0290 0324 0343 0438 0495 0522
0539 0554 0568 0578 0601 0620 0679 0697 0806 0903
0911 0997 1159 1161 1175 1198 1214 1250 1254 1353
1383 1416 1435 1455 1472 1483 1500 1511 1545 1572
1594 1601 1613 1631 1649 1664 1697 1700 1743 1749
1752 1765 1766 1772 1773 1782 1860 1893 1983 1988
2019 2029 2084 2114 2172 2186 2189 2216 2226 2227
2233 2240 2246 2256 2297 2319 2404 2412 2467 2478
2495 2502 2521 2524 2530 2539 2601 2658 2671 2724
2730 2751 2775 2791 2793 2803 2816 2867 2916 2945
2966 3008 3011 3036 3048 3060 3074 3094 3131 3141
3142 3172 3207 3219 3233 3234 3247 3259 3279 3283
3286 3333 3340 3365 3417 3436 3444 3494 3554 3567
3596 3612 3637 3649 3653 3683 3754 3766 3770 3794
3862 3866 3871 3889 3894 3909 3911 3958 3971 3999
4030 4049 4072 4083 4220 4266 4273 4320 4384 4390
4398 4417 4418 4430 4447 4529 4531 4544 4615 4670
4721 4824 4920 4959 4977 5017 5031 5037 5107 5139
5225 5227 5263 5328 5386 5390 5410 5430 5445 5451
5504 5505 5520 5524 5535 5566 5641 5664 5755 5763
5786 5792 5811 5824 5859 5871 6047 6053 6078 6088
6096 6111 6133 6158 6190 6210 6226 6249 6258 6289
6315 6321 6323 6349 6357 6361 6448 6467 6468 6474
6495 6507 6565 6584 6596 6602 6693 6721 6747 6780
6834 6841 6850 6863 6878 6908 6944 6994 7052 7073
7089 7091 7142 7159 7170 7194 7198 7259 7265 7269
7271 7302 7327 7372 7389 7402 7422 7436 7440 7450
7452 7453 7462 7471 7510 7532 7546 7566 7579 7612
7692 7695 7711 7767 7799 7808 7820 7821 7833 7836
7857 7870 7941 7947 7974 7991 8075 8189 8202 8206
8251 8259 8271 8315 8320 8321 8353 8371 8379 8399
8423 8452 8460 8479 8507 8549 8558 8563 8578 8579
8630 8638 8645 8669 8671 8673 8705 8706 8768 8774
8791 8827 8850 8884 8906 8914 8934 8973 9005 9008
9043 9061 9074 9092 9098 9229 9265 9285 9298 9317
9368 9402 9410 9416 9438 9486 9495 9511 9518 9519
9536 9602 9613 9640 9657 9728 9747 9756 9760 9765
9783 9789 9790 9792 9852 9903 9915 9966 9976 9998
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 04:00 PM
LABHLAXMI PLATINUM TUESDAY
Draw No:6 DrawDate on:22/02/22
1st Prize ₹10,000/- 7406
2nd Prize ₹5,000/- 6763
3rd Prize ₹500/- 9914
4th Prize ₹300/- 0792
5th Prize ₹200/- 0808
6th Prize ₹100/-
0022 0057 0062 0069 0075 0125 0141 0173 0174 0213
0215 0253 0263 0273 0303 0310 0342 0379 0422 0425
0491 0502 0509 0552 0558 0570 0580 0637 0648 0683
0693 0694 0714 0718 0720 0730 0753 0807 0818 0835
0898 0958 0967 0983 1031 1042 1044 1088 1089 1091
1104 1107 1116 1159 1164 1188 1206 1209 1218 1235
1246 1292 1322 1335 1341 1348 1392 1404 1410 1459
1468 1485 1546 1557 1566 1573 1602 1626 1632 1634
1659 1704 1721 1756 1775 1852 1853 1891 1913 2049
2126 2143 2170 2224 2230 2258 2318 2338 2364 2366
2420 2442 2481 2502 2575 2606 2624 2651 2679 2686
2700 2707 2724 2766 2776 2892 2913 2931 2951 2954
2978 3007 3033 3036 3078 3090 3164 3215 3306 3317
3358 3368 3423 3514 3537 3559 3568 3578 3604 3609
3655 3685 3699 3732 3741 3780 3832 3845 3852 3884
3891 3972 3997 4009 4049 4131 4134 4142 4173 4175
4179 4188 4201 4230 4320 4332 4338 4341 4347 4359
4366 4370 4470 4476 4486 4495 4513 4546 4572 4576
4595 4600 4704 4734 4785 4818 4826 4893 4918 5043
5056 5067 5116 5145 5196 5201 5232 5262 5265 5273
5293 5363 5368 5409 5413 5441 5458 5471 5488 5514
5595 5653 5687 5694 5708 5710 5785 5812 5814 5819
5877 5880 5885 5891 5960 5973 5974 6112 6125 6156
6216 6224 6226 6228 6232 6233 6250 6255 6257 6261
6272 6373 6393 6406 6468 6471 6501 6509 6517 6602
6609 6618 6657 6668 6714 6731 6735 6741 6746 6759
6771 6842 6854 6900 6994 6997 7026 7027 7098 7100
7134 7141 7186 7234 7240 7244 7268 7270 7288 7291
7295 7328 7339 7359 7386 7440 7448 7494 7540 7542
7610 7663 7672 7685 7731 7743 7752 7801 7847 7888
7893 7904 7923 7934 7996 8005 8053 8079 8080 8107
8122 8137 8139 8176 8213 8225 8250 8280 8288 8343
8354 8365 8373 8418 8431 8442 8447 8452 8477 8489
8529 8532 8557 8560 8612 8635 8638 8647 8672 8678
8692 8713 8754 8764 8775 8777 8785 8795 8803 8823
8867 8889 8920 8939 8958 8962 9148 9187 9191 9212
9217 9236 9249 9265 9270 9309 9386 9447 9464 9492
9495 9503 9551 9566 9569 9660 9662 9694 9698 9758
9760 9807 9822 9835 9863 9876 9894 9920 9966 9979
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

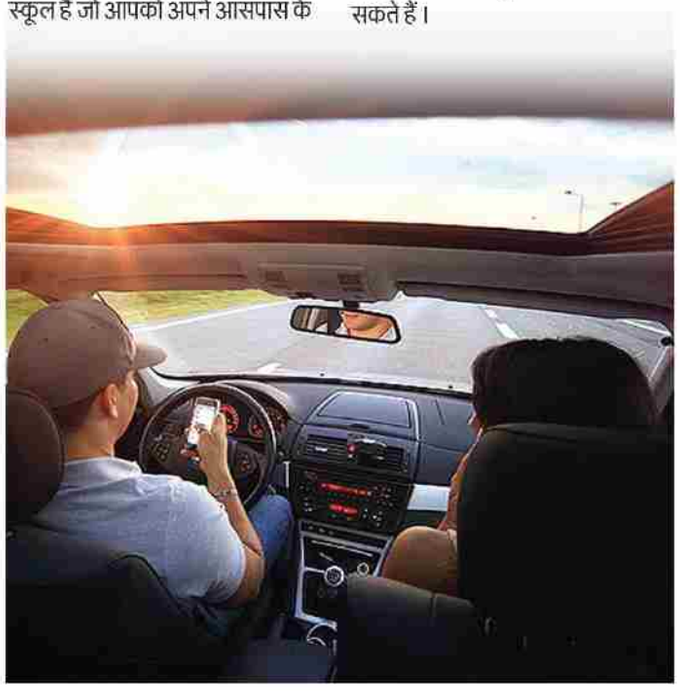

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं -

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है। लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए। मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

सार समाचार

कोरोना के मामलों की संख्या एक चैट ग्रुप पर हुई लीक, स्वास्थ्य मंत्रालय की एक पूर्व अधिकारी को दी यह सजा

सिंगापुर। सिंगापुर के कोविड-19 के दैनिक मामलों की संख्या एक ह्यचैट ग्रुपह्न पर लीक करने को लेकर देश के स्वास्थ्य मंत्रालय की एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी को 18 हफ्तों की कैद की सजा सुनाई गई है। मीडिया में मंगलवार को आई एक खबर में यह बताया गया है। चैनल न्यूज एशिया की खबर के मुताबिक, स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा स्थापित डेटा प्रबंधन इकाई की एक पूर्व उप प्रमुख झाओ झेंग (37) पर 12 आरोप लगाये गए, जिनमें ज्यादातर सरकारी गोपनीयता कानून के तहत गलत तरीके से संचार करने से संबद्ध हैं। अन्य 12 आरोपों को भी संज्ञान में लिया गया। खबर के मुताबिक, झाओ ने 16 मार्च 2020 से चीन से संबद्ध वीचैट ग्रुप पर 49 अन्य सदस्यों के साथ कोविड के मामलों की संख्या साझा करना शुरू किया था। इसमें यह भी कहा गया है कि उन्होंने अतिरिक्त ब्योरा भी साझा किया था, जैसे कि देश में संक्रमण के कितने मामले विदेशी नागरिकों के हैं। खबर में कहा गया कि कभी-कभी झाओ ने उस समूह में सदस्यों के साथ ह्यगेस द नंबरह्न खेल के दौरान आंकड़े लीक किए। उप सरकारी अभियोजक जोशुआ लिम ने झाओ के लिए छह से नौ महीने की कैद की सजा की मांग की। वहीं, सजा सुनाते हुए न्यायाधीश ने कहा कि झाओ ने उन पर जताये गये विश्वास को तोड़ा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति का राष्ट्र को संबोधन, रूस को कहा- हम किसी से डरते नहीं हैं

मॉस्को। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि यूक्रेन 'किसी से नहीं डरता है।' उन्होंने यह बयान रूस द्वारा आक्रमण के करीब पहुंचने के संकेतों के बीच दिया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के साथ-साथ वहां पर अपने सैनिकों की तैनाती करने के आदेश दिए हैं। इस बीच, अमेरिका, मैक्सिको और पांच यूरोपीय देशों के अनुरोध पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार रात को एक आपात बैठक बुलाई।

शराब के नशे में धुत महिला फ्लाइट में पहुंची, पुलिस कर्मी को जड़ा थप्पड़, हुई सजा

लंदन । लंदन हवाई अड्डे पर शराब के नशे में धुत एक महिला ने पुलिस अधिकारी पर मेकअप बैग से हमला किया और थप्पड़ जड़ दिया। दरअसल, उसे फ्लाइट के अंदर मास्क पहनने के लिए कहा गया था। महिला हेलिंसकी से लंदन आई थीं। इस महिला ने सहयात्रियों को भी परेशान किया। ये मामला पिछले साल क्रिसमस का है। इस मामले में महिला पर कोर्ट की ओर से जुमार्ना लगाया गया है। ये घटना फिनएयर की फ्लाइट में घटी थी। कुल मिलाकर जब ये घटना घटी तो महिला शराब के नशे में बुरी तरह धुत थी। उन्होंने फ्लाइट के अंदर वाइन की भी मांग की, जबकि उनको दो वाइन की छोटी बोतल पहले ही दी जा चुकी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस महिला की पहचान 28 साल की लोट्टा केंप्पनिन के तौर पर हुई है। वह ब्रिस्टल की रहने वाली है। वह पिछले साल क्रिसमस की शाम को हेलिंसकी से लंदन आई थीं। आइलवर्थ क्राउन कोर्ट के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान सामने आया कि लोट्टा से 15 से ज्यादा बार केबिन क्रू के सदस्यों ने मास्क पहनने को कहा था, जो कि फ्लाइट में यात्रा के दौरान पहनना अनिवार्य है। लेकिन उन्होंने किसी की बात नहीं सुनी।

इस दौरान पुलिस कांस्टेबल मनीष पटेल भी फ्लाइट में पहुंचे। यहां लोट्टा उन पर भी भड़क गई और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। कोर्ट में इस मामले में जो सुनवाई हुई, उसमें सामने आया कि उन्होंने पुलिस का बिल्कुल भी सहयोग नहीं किया। जब उनसे पासपोर्ट मांगा गया तो वह और हिंसक हो गई। इस दौरान उन्होंने मेकअप बैग पुलिस अधिकारी के मुंह पर जड़ दिया। इस मामले में लोट्टा पर 1 लाख रुपए जुमार्ना लगाया गया। वहीं 25 हजार रुपए मुआवजा उस पुलिस अधिकारी को देने को कहा गया, जिसके साथ उन्होंने अभद्रता की थी।

वहीं लोट्टा के माता-पिता भी इस दौरान कोर्ट में मौजूद थे। उन्होंने अपनी बेटी के बर्ताव के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी डिप्रेशन से भी जूझ रही है। वह दवाइयां भी ले रही हैं। वहीं जज ने कहा कि वह लोट्टा को जेल की सजा से बख्श रहे हैं। उसका कैरेक्टर अच्छा है, वहीं मेडिकल रिपोर्ट बताती हैं कि उसे इस बात की जानकारी नहीं थी कि शराब और दवाई की मिक्सिंग से किस तरह का नुकसान होता है। अब लोट्टा रिहैब सेंटर भी जाएंगी।

भारत ने यूएम में कहा- यूक्रेन में 20,000 भारतीयों की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि

कीव। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद मंगलवार को कीव, संयुक्त राज्य अमेरिका, 5 यूरोपीय देशों और मेक्सिको के अनुरोध पर यूक्रेन पर मंगलवार को एक आपातकालीन बैठक कर रही है। बता दें कि, यूक्रेन पर यूएनएससी की बैठक पर सब बोल सकते हैं और भारत ने भी इस मुद्दे पर बयान दिया है। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने देश को संबोधित करते हुए कहा शांति की मांग की है और कहा कि, हम किसी से या किसी चीज से नहीं डरते।

पुतिन ने यूक्रेन के दो प्रांतों को स्वतंत्र देश घोषित किया

रूस ने सोमवार को यूक्रेन के दो प्रांतों लुहांस्क और डोनेट्स्क को स्वतंत्र देशों के रूप में मान्यता देने की घोषणा की इस फैसले पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दो टूक कहा है कि उनका देश किसी चीज से नहीं डरता।

अलगाववादी नेताओं ने डिक्री पर हस्ताक्षर किए

पुतिन ने रूस के सरकारी टीवी चैनल पर अलगाववादी नेताओं के साथ डिक्री पर हस्ताक्षर किए।जर्मनी और फ्रांस को भी इसकी जानकारी दे दी गई थी। दोनों देशों ने इस फैसले पर निराशा व्यक्त की है।यूक्रेन के अधिकारियों को डर है कि अलगाववादी नेता अब रूस से सैन्य मदद का अनुरोध कर सकते हैं, जिससे इन क्षेत्रों में रूसी सैन्य कार्रवाई बढ़ जाएगी।

अमेरिका प्रतिक्रिया

रूस के इस फैसले के जवाब में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने विद्रोही क्षेत्रों के खिलाफ वित्तीय प्रतिबधों की घोषणा की है।अमेरिका ने डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक और यूक्रेन के लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक क्षेत्रों में नए निवेश को प्रतिबंधित कर दिया है। बता दें कि, अमेरिका के अलावा यूरोपीय संघ और ब्रिटेन भी प्रतिबंध लगाने की बात कर रहे हैं।

भारत का बयान

यूक्रेन पर यूएनएससी की बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी.एस. तिरुमूर्ति ने कहा कि, रूस के साथ यूक्रेन की सीमा पर बढ़ता तनाव गहरी चिंता का विषय है। इन घटनाक्रमों में क्षेत्र की शांति और सुरक्षा को कमजोर करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि, नागरिकों की सुरक्षा आवश्यक है। 20,000 से अधिक भारतीय छात्र और नागरिक यूक्रेन के विभिन्न हिस्सों में रहते हैं और पढाई करते हैं। भारतीयों की भलाई हमारे लिए प्राथमिकता है।

अमेरिका का बयान

यूएनएससी में अमेरिका ने कहा कि, कल यानि बुधवार को अमेरिका अंतरराष्ट्रीय कानून के स्पष्ट उल्लंघन के लिए रूस को जवाबदेह ठहराने के लिए और कदम उठाएगा। हम और हमारे सहयोगी स्पष्ट हैं कि यूक्रेन पर और आक्रमण करने के लिए रूस द्वारा त्वरित और गंभीर प्रतिक्रिया दी जाएगी। यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता पर रूस का स्पष्ट हमला अकारण है। यह संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राज्य के रूप में यूक्रेन की स्थिति पर हमला है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन करता है।

कोलंबिया में गर्भपात को पीनल कोड से हटाये जाने के समर्थन में प्रदर्शन करती हुई महिलाएं।

पाकिस्तान ने सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए अध्यादेश लागू किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सोशल मीडिया पर नकेल कसने की कवायद के तहत किसी भी व्यक्ति का अपमान करने के जुर्म में जेल की सजा तीन से बढ़ाकर पांच साल तक कर दी है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी द्वारा जारी एक अध्यादेश के जरिए इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम कानून, 2016 (पेका) के प्रावधानों में बदलाव किए गए हैं। यह अध्यादेश तब जारी किया गया है जब कुछ दिनों पहले ही संचार मंत्री मुराद सईद के खिलाफ 'अभद्र' टिप्पणियों के लिए मीडिया जगत की हस्तीमोहसिन बेग को गिरफ्तार किया गया था। कानून मंत्री बैरिस्टर फारुख ने आगाह किया था कि 'फर्जी खबरों' में शामिल होने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम (संशोधन) अध्यादेश, 2022 लागू किया गया। अध्यादेश में पेका की धारा 20 में संशोधन कर किसी व्यक्ति या संस्थान का अपमान करने के लिए जेल की सजा तीन साल से बढ़ाकर पांच साल तक कर दी गई है। नए कानूनों में ऑनलाइनमंच पर सार्वजनिक मानहानि को संज्ञेय और गैर जमानती अपराध बना दिया गया है और मामले के शीघ्र निपटारे के लिए एक नयी धारा जोड़ी गयी है। इसमें कहा गया है, 'मुकदमे की सुनवाई शीघ्रता से की जाए लेकिन मामले पर संज्ञान लेने के बाद छह महीने से ज्यादा की देरी नहीं होनी चाहिए।' कराची में रविवार को कानून मंत्री फारुख नसीम ने कहा कि फर्जी खबरें फैलाने को संज्ञेय अपराध के तौर पर माना जाएगा। उन्होंने कहा, 'पहले जो भी हुआ वह बीती बात है, अब हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं।'

रूस का दवा यूक्रेन ने बमबारी कर उड़ाई उसकी दो सीमा चौकी, जंग की हो गई है शुरूआत?

नई दिल्ली (एजेंसी)

बीते कुछ दिनों से यूक्रेन और रूस के बीच जारी तनातनी के बीच चौकाने वाली खबरें आ रही हैं। सोमवार को रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन ने बमबारी में उसकी सीमा चौकी को उड़ा दिया है। वहीं इससे पहले यूक्रेन ने भी कई बार दावा किया है कि रूस समर्थित अलगाववादियों ने उसके लोगों पर गोलीबारी की है। हालांकि रूस की ओर से पहली बार यूक्रेन पर आरोप गढ़ा गया है कि उसके द्वारा की गई बमबारी में रूस की संघीय सुरक्षा सेवा द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सीमा चौकी को नष्ट कर दिया है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यूक्रेन और रूस के बीच जंग की शुरूआत हो गई है?

गौरतलब है कि पश्चिमी देशों को यह डर है कि हाल के हफ्तों में यूक्रेन की सीमा के पास रूसी सैन्य जमावड़ा हमले का संकेत है। पश्चिमी खुफिया एजेंसियों का दावा है कि करीब 1.6 लाख रूसी सैनिक यूक्रेन पर आक्रमण करने के लिए तैयार हैं। पश्चिमी देशों का कहना है कि अगर ऐसा हुआ तो वे रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाएंगे। यूक्रेन ने भी यूरोपीय संघ द्वारा रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की मांग की है। हालांकि अभी तक रूस किसी भी तरह की युद्ध की योजना को नकार रहा है। लेकिन वह व्यापक सुरक्षा की गारंटी चाहता है।

रूसी समाचार एजेंसियों के अनुसार सिक्योरिटी सर्विस ने एक बयान में कहा, 21 फरवरी को सुबह 9:50 बजे , यूक्रेन से दागी गई एक अज्ञात प्रक्षेप्य ने रूसी-यूक्रेनी सीमा से लगभग 150 मीटर की दूरी पर रोस्ताव क्षेत्र में एफएसबी सीमा रक्षक सेवा द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सीमा चौकी को पूरी तरह नष्ट कर दिया।

आपको बता दें रविवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और पुतिन के बीच करीब 2 घंटे की टेलीफोन वार्ता हुई थी। इसके बाद दोनों नेता यूक्रेन गतिरोध के समाधान की तलाश में तेजी लाने पर सहमत हुए। इस घटनाक्रम के बाद फ्रांस का कहना है कि यूक्रेन संकट पर एक शिखर सम्मेलन के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति के प्रस्ताव को अमेरिकी और रूसी राष्ट्रपतियों ने स्वीकार कर लिया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति भवन और व्हाइट हाउस द्वारा जारी बयान में भी कहा गया कि बाइडन और पुतिन ने यूक्रेन पर अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के प्रस्ताव पर सहमति जताई थी।

लेकिन सोमवार को रूस ने इस पहल को झटका देते हुए कहा कि रूसी और अमेरिकी राष्ट्रपतियों के बीच शिखर सम्मेलन के आयोजन पर चर्चा करना जल्दबाजी होगी। रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि किसी प्रकार की शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए किसी विशेष योजना के बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा यह समझ में आता है कि विदेश मंत्रियों के स्तर पर बातचीत जारी रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति शिखर सम्मेलन के लिए अभी कोई ठोस योजना नहीं है।

श्रीलंकाई तमिल नेताओं ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, भारत सरकार से मांगी मदद

कोलंबो (एजेंसी)

श्रीलंका के तमिल नेशनल एलायंस (टीएनए) ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को पत्र लिखकर लंबित तमिल मुद्दे के स्थायी राजनीतिक समाधान और विवादित 13वां संशोधन लागू करने के लिए भारत से हस्तक्षेप करने की मांग की है। सप्ताहांत में स्टालिन को भेजे एक पत्र में टीएनए ने प्रवासी समूह ग्लोबल तमिल फोरम में कहा, 'तमिलनाडु ने, श्रीलंका की ओर भारतीय नीतियों को तय करने में हमेशा अहम भूमिका निभाई है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन द्वारा अपनाए जाने वाले पथ प्रदर्शक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से काफी राहत मिलेगी।'

श्रीलंका की मुख्य तमिल पार्टी टीएनए ने कहा कि 13वें संशोधन के द्वारा संबंधित प्रस्तावित संवैधानिक प्रक्रिया से तमिल समूह राजनीतिक रूप से और कमजोर हो सकते हैं। 13वां संशोधन भारत-श्रीलंका के बीच हुए 1987 के समझौते का परिणाम है। इस समझौते पर तत्कालीन श्रीलंकाई राष्ट्रपति जेआर जयवर्द्धने और भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हस्ताक्षर किए थे। इसमें श्रीलंका में अल्पसंख्यक तमिल समुदाय को शक्तियों के हस्तांतरण का प्रावधान है। बहरहाल, श्रीलंका की सत्तारूढ़ पीपुल्स पार्टी के सिंहला बहुसंख्यक नेता द्वीपीय देश की प्रांतीय परिषद व्यवस्था को पूरी तरह खत्म करने की वकालत कर रहे हैं।

श्रीलंकाई सरकार ने कहा है कि उसने नए संविधान का मसौदा कानूनी जानकारों के पास भेजा है जबकि टीएनए राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे से मुलाकात करने का इंतजार कर रही है। श्रीलंका में तीन दशकों तक चला गृह युद्ध लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) प्रमुख वी. प्रभाकरण की मौत के साथ 2009 में खत्म हुआ था। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि इस संघर्ष में 80,000-1,00,000 लोग मारे गए। इस संघर्ष में विद्रोहियों ने तमिल अल्पसंख्यकों के लिए अलग राज्य बनाने की मांग की थी।

यूक्रेन संकट के बीच भारतीय दूतावास की छात्रों से अपील, अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल लौट जाएं वतन

कीव। (एजेंसी)

यूक्रेन संकट के बीच भारत ने एक बार फिर से भारतीय छात्रों से यूक्रेन छोड़ने की अपील की है। राजधानी कीव स्थित भारतीय दूतावास ने एक एडवाइजरी जारी कर छात्रों से तत्काल प्रभाव से यूक्रेन छोड़ने की अपील की। भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी की एक कॉपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर साझा की है। जिसमें कहा गया है कि भारतीय छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं को इंतजार छोड़कर वापस अपने देश में लौट जाना चाहिए।

बयान में कहा गया कि भारतीय दूतावास को बड़ी संख्या में फोन आ रहे हैं जिसमें चिकित्सा विश्वविद्यालयों द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं की पुष्टि के बारे में पूछा जा रहा है। बयान ने बताया कि भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए दूतावास संबंधित अधिकारियों के साथ जुड़ा हुआ है। ऐसे में छात्र अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अस्थायी तौर पर अपने वतन लौट जाएं।रूस-यूक्रेन सीमा पर बढ़ते तनाव को देखते हुए भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि तनाव को कम करना तात्कालिक प्राथमिकता है और वह आश्वस्त है कि इस मुद्दे को कूटनीतिक संवाद के जरिए ही हल किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में कहा कि हम यूक्रेन की पूर्वी सीमा पर हो रही गतिविधियों और रूसी संघ द्वारा इस संबंध में की गई घोषणा सहित पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि रूसी संघ के साथ लगी यूक्रेन की सीमा पर बढ़ता तनाव गंभीर चिंता का विषय है। इन चीजों से क्षेत्र की शांति एवं सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। दरअसल, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के दोनेत्स्क और लुहांस्क गणराज्य के क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के आदेश पर सोमवार को हस्ताक्षर कर दिए, जिसके बाद क्षेत्र में तनाव और भी बढ़ गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने लॉन्च की अपनी सोशल मीडिया ट्रूथ सोशल, फ्री डाउनलोड ऐप की लिस्ट में टॉप पर पहुंचा

पेरिस (एजेंसी)

डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप के जरिये अपना सोशल मीडिया लॉन्च किया है। ट्रुथ सोशल के नाम से इस सोशल मीडिया वेंचर को 21 फरवरी को लॉन्च किया गया है। इस अभी एप्पल एप स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप (टीएमटीजी) के सीईओ डेविन नून्स ने कहा कि ट्रुथ सोशल नाम का ऐप मार्च के अंत तक पूरी तरह से चालू हो जाएगा। टीएमटीजीनए सोशल मीडिया ऐप की मूल कंपनी है।

ट्रंप का ट्रूथ सोशल

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और बिजनेसमैन डोनाल्ड ट्रंप ट्विटर और फेसबुक को टक्कर देने के लिए सोशल मीडिया नेटवर्क ट्रुथ सोशल को लॉन्च किया है। टीएमटीजी यानी ट्रंप मीडिया एंड टेक्नॉलाजी ग्रप ने इसे बनाया है। ये ट्विटर जैसा ही दिखता है। हालांकि पोस्ट को ट्वीट की बजाए ट्रुथ कहा जाएगा। ट्रुथ सोशल के एक स्क्रीनशॉट्स के अनुसार प्रोफाइल पेज ट्विटर की तरह ही नजर आ रहा है। ट्रंप के बेटे ट्रंप जूनियर ने इस स्क्रीनशॉट को ट्विटर पर शेयर भी किया है। इसमें वेरिफाइड टिक ब्लू की जगह रेड होगा। ट्रंप के नए प्लेटफॉर्म में लाइक, रिप्लाई, रीट्वीट और शेयर के लिए आइकन होगा। ट्रुथ सोशल रंबल के साथ काम करेगा, जो एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो खुद को यूट्यूब और अमेजॉन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के ऑप्शन के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहा है।

फ्री एप की लिस्ट में टॉप पर

एप्पल की रैंकिंग के अनुसार, ट्रुथ सोशल सोमवार सुबह अमेरिका में शीर्ष मुफ्त ऐप था। उसने 'टॉकिंग बेन द डॉग' बच्चों के गेम, स्ट्रीमिंग सेवा एचबीओ मैक्स, टिकटॉक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे फ्री ऐप पर बढ़त बनाई। बता दें कि जिन यूजर्स ने इस ऐप के लिए प्री-रजिस्टर किया था, उनके एप्पल डिवाइसेस पर यह ऑटोमेटिक डाउनलोड हो रहा है।

सोशल मीडिया कंपनी ने किया था बैन

एक जमाना था जब ट्रंप ट्विटर के और ट्विटर ट्रंप के पसंदीदा हुआ करते थे। कहा जाता है कि ट्विटर को हिट करने में ट्रंप की बड़ी भूमिका रही। ट्रंप को राष्ट्रपति बनाने में भी ट्विटर का बड़ा रोल रहा। लेकिन पिछले साल जनवरी में यूएस कैपिटल हिल्स हिंसा भड़काने के आरोप में ट्विटर ने जब ट्रंप का अकाउंट डिलीट कर दिया तो ट्रंप भड़क गए। ट्रंप का फेसबुक अकाउंट भी सस्पेंड किया गया था। माना जाता है कि तभी से डोनाल्ड ट्रंप ने ठान लिया था कि वो ट्विटर की तरह एक प्लेटफॉर्म लॉन्च करेंगे।

रोहिंग्या नरसंहार मामले को संयुक्त राष्ट्र की अदालत में खारिज किया जाना चाहिए: म्यांमा

द हेग (एजेंसी)

म्यांमा के सैन्य शासकों के वकीलों ने सोमवार को मांग की कि रोहिंग्या नरसंहार मामले को संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में अधिकार क्षेत्र का हवाला देते हुए खारिज कर दिया जाना चाहिए। पिछले साल देश की सत्ता पर सेना के कब्जे के बाद म्यांमा का प्रतिनिधित्व करने के बारे में सवालों के बीच अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में सार्वजनिक सुनवाई चल रही है।

'नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट' नामक एक प्रतीकात्मक प्रशासन ने तर्क दिया था कि उसे अदालत में म्यांमा की ओर से प्रतिनिधित्व करना चाहिए, लेकिन इसके बजाय कानूनी टीम का नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री को को लाइंग ने किया था।

इस 'गवर्नमेंट' में अन्य प्रतिनिधियों के अलावा वे निर्वाचित प्रतिनिधि भी शामिल थे, जिन्हें सैन्य शासकों ने सीट संभालने नहीं दिया था। उन्होंने लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू ची की जगह ली थी, जिन्होंने 2019 में मामले में पहले की सुनवाई में देश की कानूनी टीम का नेतृत्व किया था।

वह अब जेल में हैं। सुनवाई शुरू होने पर अदालत के अध्यक्ष, अमेरिकी न्यायाधीश जोआन डोनोग्यू ने कहा, 'अदालत के समक्ष एक विवादास्पद मामले के पक्षकार देश (स्टेट) हैं, विशेष सरकारें नहीं है।' म्यांमा के एक अधिकार समूह ने सैन्य शासन को म्यांमा का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देने के अदालत के फैसले पर सवाल उठाया। 'बर्मा ह्यूमन राइट्स नेटवर्क' के कार्यकारी निदेशक क्याव विन ने एक बयान में कहा, 'हमें खुशी है कि मामला आगे बढ़ रहा है लेकिन यह बहुत दुखी करने वाला है कि सेना को म्यांमा के प्रतिनिधि के रूप में अदालत के सामने पेश होने की अनुमति है।'

लाइंग ने अदालत से कहा कि म्यांमा के पास अदालत के अधिकार क्षेत्र और मामले की स्वीकार्यता के लिए कानूनी चुनौतियां हैं।

इनमें से एक तर्क यह है कि यह मामला ऑगेर्नाइजेशन ऑफ इस्लामलिक स्टेट्स की ओर से गाम्बिया द्वारा लाया गया है। वकील क्रिस्टोफर स्टेकर ने दलील दी कि यह अदालत केवल देशों के बीच उत्पन्न विवादों को सुन सकती है और गाम्बिया मुस्लिम संगठन के लिए छद्म पक्षकार के रूप में कार्य कर रहा है। एक अन्य वकील स्टेफन टालमोन ने कहा कि गाम्बिया यह मामला नहीं ला सकता क्योंकि वह म्यांमा के मामले से सीधे जुड़ा नहीं है। टालमोन ने न्यायाधीशों से कहा, 'म्यामां की दलील है कि गाम्बिया का मौजूदा मामले में कोई अस्तित्व नहीं है। तदनुसार, इसकी याचिका सुनवाई योग्य न मानते हुए खारिज की जानी चाहिए।' गाम्बिया के वकीलों की ओर बुधवार को दलीलें पेश करने की संभावना है। म्यांमा के छद्म नागरिक प्रशासन ने रोहिंग्या नरसंहार मामले में संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में होने वाली सुनवाई के दौरान सैन्य शासन जुंटा के प्रतिनिधियों को देश का प्रतिनिधित्व करने की

अनुमति नहीं देने का आह्वान किया था। 'नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट' का कहना है कि यह देश की एकमात्र वैध सरकार है लेकिन किसी विदेशी सरकार ने इसे मान्यता नहीं दी है।

चौथे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच

न्यूजीलैंड का विजय अभियान जारी, चौथे वनडे में भारत को 63 रन से हराया

वीनसटाउन। (एजेंसी)।

एमेलिया केर के आलराउंड प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने बारिश से प्रभावित चौथे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मंगलवार को यहां भारत को 63 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 4-0 से बढ़त बनाकर क्लीन स्वीप की तरफ कदम बढ़ाये। बारिश के कारण मैच पांच घंटे देरी से शुरू हुआ जिससे इसे 20 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किये जाने के बाद एमेलिया केर के 33 गेंदों पर नाबाद 68 और सूजी बेट्स के 26 गेंदों पर 41 रन की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 191 रन का विशाल स्कोर बनाया। भारतीय टीम का शीर्ष क्रम बड़े स्कोर के सामने लड़खड़ा गया। एक समय उसका स्कोर चार विकेट पर 19 रन था और आखिर में उसकी पूरी टीम 17.5 ओवर में 128 रन पर आउट हो गयी।

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने भारत की तरफ से सर्वाधिक 52 रन बनाये। एमेलिया ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया और 30 रन देकर तीन विकेट लिये। ऋचा को छोड़कर कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया

जिससे भारत को इस दौरे में लगातार पांचवीं हार का सामना करना पड़ा। भारत वनडे श्रृंखला से पहले एकमात्र टी20 मैच भी हार गया था। भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन हर अगले मैच में खराब रहा है और मंगलवार को उन्होंने सबसे बेकार खेल दिखाया। राजेश्वरी गायकवाड़ (चार ओवर में 26 रन देकर एक विकेट) को छोड़कर कोई भी अन्य भारतीय गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाया। एमेलिया ने मेघना सिंह (चार ओवर में 45 रन देकर एक विकेट) और दीप्ति शर्मा (चार ओवर में 49 रन देकर एक विकेट) को विशेष तौर पर निशाने रखा। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। सोफी डिवाइन (24 गेंदों पर 32 रन) और बेट्स ने पहले विकेट के लिये 53 रन की साझेदारी की।

एक बार मंच सजने के बाद एमेलिया और एमी सैथरवेट (16 गेंदों पर 32 रन) ने उसका पूरा फायदा उठाया। भारत के लिये 192 रन का लक्ष्य हासिल करना मुश्किल था जबकि खराब फॉर्म में चल रही हरमनप्रीत कौर भी अंतिम एकादश में शामिल नहीं थी। स्मृति मंधाना (13) लंबे समय तक पृथकवास में रहने के कारण लय में नहीं दिखी जबकि शैफाली वर्मा और यास्तिका भाटिया खाता भी नहीं खोल पायी। पांचवें ओवर में भारत का स्कोर चार विकेट पर 19 रन हो गया जिससे मैच का परिणाम भी सुनिश्चित हो गया। ऋचा और कप्तान मिताली राज (28 गेंदों पर 30 रन) ने पांचवें विकेट के लिये 67 रन जोड़े लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हुआ। ऋचा ने अपनी पारी में चार चौके और इतने ही छक्के लगाये। एमेलिया की बहन जेस ने भी दो विकेट लिये जबकि फ्रांसिस मैके ने दो और हेल जेन्सेन ने तीन विकेट लिये।

जोकोविच ने 2022 में अपना पहला मैच जीता, लारेंजो मुसेटी को हराया

दुबई(एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग नहीं ले पाने वाले नोवाक जोकोविच ने यहां दुबई टेनिस चैंपियनशिप में लारेंजो मुसेटी को 6-3, 6-3 से हराकर वर्ष 2022 में अपना पहला मैच जीता। जोकोविच पिछले महीने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाए थे। उन्हें कोविड का टीका नहीं लगवाने के कारण ऑस्ट्रेलिया से निर्वासित कर दिया गया था।

संयुक्त अरब अमीरात ने उन्हें प्रवेश की अनुमति दी और जोकोविच ने उस टूर्नामेंट से वर्ष 2022 की शुरुआत की जिसमें उन्होंने पांच बार जीत हासिल की है। पिछले साल फ्रेंच ओपन में मुसेटी ने जोकोविच से दो सेट जीते थे लेकिन इटली का यह खिलाड़ी यहां ब्रेक प्वाइंट हासिल करने के कई मौकों को नहीं भुना पाया।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'मैं अपने खेल से संतुष्ट हूं विशेषकर तब जबकि मैं पिछले ढाई-तीन महीने से नहीं खेल पाया हूं।' उनका अगला मुकाबला कारेन खाचनोव और अलेक्स डि मिनौर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। इस बीच एंडी मर्रे ने 2017 के बाद दुबई में अपना पहला मैच जीता। उन्होंने आस्ट्रेलिया के क्वालीफायर क्रिस्टोफर ओ कोनेल को 6-7 (4), 6-3, 7-5 से हराया। यह मैच लगभग तीन घंटे तक चला।

बीसीसीआई ऋद्धिमान से उनके ट्वीट के बारे में पूछेगा कि क्या उन्हें धमकाया गया था : धूमल

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा से उनके ट्वीट के संदर्भ के बारे में पूछेगा जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक पत्रकार ने उन्हें साक्षात्कार देने के लिए सहमत नहीं होने पर धमकी दी थी। भारतीय टेस्ट टीम से हाल ही में बाहर किये गये साहा ने ट्विटर पर आरोप लगाया था कि एक 'सम्मानित' पत्रकार ने उन्हें साक्षात्कार देने से इनकार करने के बाद आक्रामक रूख अपनाया था। इस ट्वीट के बाद, पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री, वीरेंद्र सहवाग और हरभजन सिंह जैसे पूर्व सितारों ने साहा का समर्थन करते हुए उनसे पत्रकार का नाम उजागर करने को कहा। बीसीसीई कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने सोमवार को पीटीआई-से कहा, '' जी हां, हम ऋद्धिमान से उनके ट्वीट के बारे में पूछेंगे और जानेंगे की असल क्या घटना हुई है। हमें यह जानने की जरूरत है कि क्या उन्हें धमकी दी गई थी और उनके ट्वीट की पृष्ठभूमि तथा संदर्भ क्या था। मैं और कुछ नहीं कह सकता। हमारे सचिव (जय शाह) ऋद्धिमान से जरूर बात करेंगे।'' साहा को हाल में भारतीय टीम की तरफ से खेलने का मौका नहीं मिला। उन्होंने मीडिया से कहा कि पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के बाद द्रविड़ ने उन्हें आपसी बातचीत में संन्यास लेने पर विचार करने की सलाह दी थी। द्रविड़ ने कहा कि साहा से बात करने के पीछे उनका इरादा यह सुनिश्चित करना था कि उन्हें यह स्पष्ट तौर पर पता हो कि टीम में उनकी स्थिति क्या है और उन्हें इसका पछतावा नहीं है।

अब श्रीलंका के खिलाफ सभी मुकाबले जीतना चाहेगी भारतीय टीम

मुम्बई। वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली शानदार सफलता से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम अब श्रीलंका के खिलाफ भी टी20 और टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को एकदिवसीय और टी20 सीरीज के सभी मैचों में हराया था। अब भारतीय टीम इसी प्रकार का प्रदर्शन श्रीलंका के खिलाफ भी करना चाहेगी। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ 3 टी20 और 2 टेस्ट खेलने हैं। भारतीय टीम गुरुवार 24 फरवरी को लखनऊ में श्रीलंका के खिलाफ होने वाले पहले टी20 से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। पहले टी20 मैच के लिए भारतीय टीम लखनऊ पहुंच गई है हालांकि पूर्व कप्तान विराट कोहली और ऋषभ पंत इस मैच में नहीं होंगे क्योंकि इन दोनो को टी20 सीरीज में आराम दिया गया है। इसके अलावा लोकेश राहुल चोटिल हैं। ऐसे में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टी20 और टेस्ट दोनों के लिए टीम का उपकप्तान बनाया गया है। वहीं मेहमान टीम श्रीलंका की कप्तानी दासुन शनाका करेंगे। दोनों टीमों के बीच 24 फरवरी से 27 फरवरी के बीच 3 टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद 4 मार्च से 12 मार्च के बीच 2 टेस्ट मैच खेले जाएंगे।

भारत-श्रीलंका सीरीज का कार्यक्रम

24 फरवरी पहला टी20 मैच	लखनऊ
26 फरवरी दूसरा टी20 मैच	धर्मशाला
27 फरवरी तीसरा टी20 मैच	धर्मशाला
4-8 मार्च पहला टेस्ट मैच	मोहाली
12-16 मार्च दूसरा टेस्ट मैच	बेंगलुरु

श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में दो अहम रिकार्ड बना सकते हैं रोहित

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा गुरुवार से श्रीलंका के खिलाफ शुरु हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज में दो अहम रिकार्ड बना सकते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के साथ ही भारतीय टीम आईसीसी रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं अब कप्तान रोहित अगर इस सीरीज में 12 छक्के लगा लेते हैं, तब वह टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित के नाम अभी टी-20 क्रिकेट में 154 छक्के हैं जबकि इससे पहले न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल ने 165 छक्के का रिकार्ड बनाया था। ऐसे में रोहित 11 छक्कों से गुप्टिल के रिकॉर्ड की बराबरी पर आ जाएंगे जबकि 12 वें छक्के से उनके नाम यह रिकार्ड होगा।

टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के (अंतरराष्ट्रीय)

1. मार्टिन गुप्टिल (न्यूजीलैंड) - 112 मैच, 165 छक्के
2. रोहित शर्मा (भारत) - 122 मैच, 154 छक्के
3. क्रिस गेल (वेस्टइंडीज़) - 79 मैच, 124 छक्के
4. इयॉन मोर्गन (इंग्लैंड) - 115 मैच, 120 छक्के
5. एरोन फिंच (ऑस्ट्रेलिया) - 88 मैच, 113 छक्के

रोहित इस सीरीज में केवल छक्के लगाने का ही नहीं बल्कि टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर सकते हैं। रोहित शर्मा के अभी टी-20 क्रिकेट में 3263 रन हैं, रोहित को सिर्फ 37 रनों की जरूरत है और वह टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बना सकते हैं।

टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन (अंतरराष्ट्रीय)

1. मार्टिन गुप्टिल (न्यूजीलैंड)- 112 मैच, 3299 रन
2. विराट कोहली (भारत)- 97 मैच, 3296 रन
3. रोहित शर्मा (भारत)- 122 मैच, 3263 रन
4. पॉल स्टर्लिंग (आयरलैंड)- 100 मैच, 2758 रन
5. एरोन फिंच (ऑस्ट्रेलिया)- 88 मैच, 2686 रन

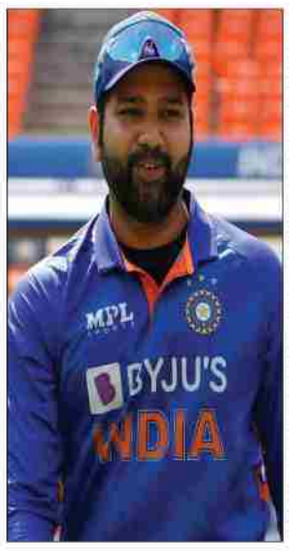

प्रागननंदा ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन को हराया

चेन्नई। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रगाननंदा ने ऑनलाइन रैपिड शतरंज टूर्नामेंट एयरथिंग्स मास्टर्स के आठवें दौर में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन को हराकर बड़ा उलटफेर किया। प्रगाननंदा ने सोमवार की सुबह खेली गयी बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए कार्लसन को 39 चाल में हराया। उन्होंने इस तरह से कार्लसन के विजय अभियान पर भी रोक लगायी जिन्होंने इससे पहले लगातार तीन बाजियां जीती थी। भारतीय ग्रैंडमास्टर के इस जीत से आठ अंक हो गये हैं और वह आठवें दौर के बाद संयुक्त 12वें स्थान पर हैं। पिछले दौर की बाजियों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले प्रगाननंदा की कार्लसनपर जीत अप्रत्याशित रही। उन्होंने इससे पहले केवल लेव आरोनियन के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इसके अलावा प्रगाननंदा ने दो बाजियां ड्राखेली जबकि चार बाजियों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने अनीश गिरी और क्रांग लीम के खिलाफ बाजियां ड्रा करायी थी जबकि एरिक हैनसेन, डिंग लिरेन, जान क्रिज़स्टोफ डूडा और शखरियार मामेदयारोव से उन्हें हार झेलनी पड़ी थी। कुछ महीने पहले नार्वे के कार्लसन से विश्व चैंपियनशिप का मुकाबला हारने वाले रूस के इयान नेपोमनियाचची 19 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद डिंग लिरेन और हैनसेन (दोनों 15 अंक) का नंबर आता है। एयरथिंग्स मास्टर्स में 16 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसमेंखिलाड़ी को जीत पर तीन अंक और ड्रा पर एक अंक मिलता है। प्रारंभिक चरण में अभी सात दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं।

हॉकी प्रो लीग : स्पेन के खिलाफ मुकाबले के लिए भारतीय टीम का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उदीयमान फारवर्ड सुखजीत सिंह को स्पेन के खिलाफ इस सप्ताह के आखिर में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिये मंगलवार को घाषित 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम में शामिल किया गया। मनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारतीय टीम 26 और 27 फरवरी को स्पेन का सामना करेगी।

ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को मनप्रीत के साथ उप-कप्तान बनाया गया है। पंजाब के 25 वर्षीय सुखजीत टीम में शामिल एकमात्र नया चेहरा हैं। उन्हें पिछल साल पहली हॉकी इंडिया अंतरविभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद कोर ग्रुप में चुना गया था। भारत ने उन खिलाड़ियों पर ही भरोसा दिखाया है जिन्हें पहले आजमाया जा चुका है। मुख्य कोच ग्राहम रीड ने इसे संतुलित टीम करार दिया।

रीड ने कहा, 'हमने इस सप्ताहांत स्पेन के खिलाफ मैचों के लिये संतुलित टीम का चयन किया है और हम भुवनेश्वर में अपने घरेलू मैदान पर खेलने के लिये तैयार हैं।' उन्होंने कहा, 'स्पेन की टीम के पास नया कोच है और वह इंग्लैंड से हारने के बाद अच्छा प्रदर्शन करने के लिये बेताब है। ये मैच साल के व्यस्त कार्यक्रम की तैयारियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं।'

भारत को प्रो लीग में अब तक मिश्रित परिणाम मिले हैं। उसने दक्षिण अफ्रीका में खेले गये मैचों में मेजबान को हराया था लेकिन वह फ्रांस से हार गया था। इसके बाद भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने हॉकी इंडिया से स्पष्टीकरण मांगा था।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर: पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा।

डिफेंडर: हरमनप्रीत सिंह (उपकप्तान), मनदीप मोर, सुरेंद्र कुमार, वरुण कुमार, जरमनप्रीत सिंह, दीपसन टिर्की।

मिडफील्डर: मनप्रीत सिंह (कप्तान), विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, जसकरण सिंह, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, आकाशदीप सिंह।

फॉरवर्ड: मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, शिलानंद लकड़ा, सुखजीत सिंह, अभिषेक।

स्टैंडबाय: कृष्ण बहादुर पाठक, अमित रोहिदास, राजकुमार पाल, मोइरंगथेम रबिचंद्र सिंह, दिलप्रीत सिंह।

भविष्य में इस देश के लिए खेलना चाहते हैं नेमार, बताया कब लेंगे संन्यास

साओ पाउलो। दिग्गज फुटबॉलर नेमार भविष्य में अपने देश ब्राजील के बजाय अमरीका में खेलना चाहते हैं। इस 30 वर्षीय फुटबॉलर ने हाल में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के साथ अपना अनुबंध 2025 तक बढ़ाया था। नेमार ने 'फेनोमेनास' पॉडकास्ट में कहा, 'मैं नहीं जानता कि मैं फिर से ब्राजील में खेलूंगा या नहीं। मेरी दिली इच्छा अमरीका में खेलने की है। मैं कम से कम एक सत्र के लिए वहां खेलना चाहता हूं।' उन्होंने कहा, 'ब्राजील में खेलने को लेकर मैं नहीं जानता। कुछ अवसरों पर मुझे लगता है कि वहां खेलना चाहिए लेकिन कभी मैं ऐसा नहीं चाहता।' इस स्ट्राइकर ने अमरीका में खेलने के बारे में मजाकिया अंदाज में कहा, 'क्योंकि वहां चैंपियनशिप जल्दी समाप्त हो जाती है, इसलिए चार महीने का अवकाश मिल जाता है। इस तरह से आप वहां वर्षों तक खेल सकते हैं।' नेमार से पूछा गया कि क्या वह संन्यास की योजना बना रहे हैं, उन्होंने कहा कि वह अपने दोस्तों से मजाक में कहते हैं कि वह 32 साल की उम्र में संन्यास ले लेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं जब तक मानसिक रूप से नहीं थक जाता तब तक खेलता रहूंगा। मेरा शरीर कुछ साल तक खेलने के लिए फिट रहेगा लेकिन मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी है। लेकिन इसके कोई निश्चित उम्र तय नहीं है।' नेमार ने कहा कि ब्राजील की राष्ट्रीय टीम 'ब्राजील के प्रशंसकों से बहुत दूर' हो गई है। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं जानता कि यह क्यों और कब शुरू हुआ, लेकिन मैं इसे अपने मैचों में देखता हूं। लोग इसके बारे में बात नहीं करते। उन्हें पता नहीं होता कि हम कब खेलते हैं। यह बुरा है।' नेमार ने कहा, 'ऐसी पीढ़ी में रहना दुखद है जहां ब्राजील का खेलना महत्वपूर्ण नहीं है। जब मैं बच्चा था तो यह उत्सव जैसा होता था।'

अगर भारतीय टीम विश्वकप जीतती है तो आयेगा बड़ा बदलाव : मिताली

वींसलैंड (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भी भारतीय टीम की हार पर कहा कि अगर टीम आगामी विश्व कप मुकाबले में जीतती है तो एक बड़ा बदलाव आयेगा। उसके प्रति प्रशंसकों की मानसिकता बदल जाएगी और खिलाड़ियों के साथ ही उनके परिवारों में भी उत्साह की लहर रहेगी। भारतीय टीम साल 2017 में इंग्लैंड में खेले गए पिछले विश्व कप में एक करीबी मुकाबले में इंग्लैंड से हारी थी।

भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज ने कहा, 'मुझे अभी भी साल 2017 के फाइनल मुकाबला की याद है, प्रशंसकों की वह भावनाएं अभी भी दिमाग में हैं तब हम विश्व कप में जीत के भी काफी करीब पहुंच गए थे। लॉर्ड्स के दर्शकों से भरे स्टेडियम की वह हार अभी भी हमें निराश करती है। साथ ही कहा कि यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैंने टीम इंडिया को अपनी कप्तानी में 3 में से 2 विश्व कप मुकाबलों के फाइनल में पहुंचाया।' भारतीय टीम 2017 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में हारी और 2020 के टी-20 विश्व कप में उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों फाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। मिताली राज ने इन दोनों फाइनल में हार को याद करते हुए कहा, 'हमें उन मुकाबलों मे हार से काफी कुछ सीखने को मिला और हम इस विश्व कप में बेहतर अनुभव के साथ उतरेंगे। हमने दिखाया भी है कि हम चैम्पियनशिप जीतने के योग्य हैं। इस जीत का प्रभाव काफी बड़ा होगा क्योंकि यह हमारे खिलाड़ियों, परिवार के अलावा प्रशंसकों के लिए भी एक बदलाव लेकर आएगा।' वहीं महिला आईपीएल को लोकर मिताली ने कहा कि सभी लोग इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि कब इस लीग की शुरुआत होगी।

रैना ने बीसीसीआई से विदेशी लीग में खेलने की अनुमति मांगी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि उन्हें विदेशी लीग में खेलने की अनुमति मिले जिससे उनकी भी लय बनी रहे। रैना को इस बार हुई आईपीएल नीलामी में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा है। वह घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेल रहे हैं। ऐसे में वह बेहद निराश हैं। आईपीएल मेगा नीलामी में रैना ने अपना बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये रखा था पर इसके बाद भी उन्हें किसी टीम ने नहीं लिया जबकि रैना आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। रैना ने एक वीडियो के जरिये अपना दर्द जाहिर किया है।

पूर्वी एशियाई देशों का प्रवेश द्वार होगा मणिपुर : पीएम मोदी

इंफाल, 22 फरवरी (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि मणिपुर पूर्वी एशियाई देशों का प्रवेश द्वार होगा, जिसके लिए पूर्वोत्तर राज्य में रेलवे कनेक्टिविटी का विस्तार किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और पूर्वी एशियाई देशों के बीच व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आसान संपर्क के माध्यम से मणिपुर को म्यांमार और थाईलैंड से जोड़ा जाएगा।

मोदी ने इम्फाल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'वह दिन दूर नहीं जब मणिपुर की राजधानी को ब्रॉड गेज रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। वर्तमान में मणिपुर में 40 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं भी लागू की जा रही हैं।'

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता ने पहले कहा था कि भारत को पड़ोसी म्यांमार से जोड़ने के उद्देश्य से एक नई ब्रॉड गेज रेलवे लाइन के निर्माण के लिए 111 किलोमीटर इंफाल-मोरेह खंड का अंतिम स्थान सर्वेक्षण शुरू किया गया है।

ओलंपियनों का जिक्र करते हुए (भारतीय मुक्केबाजी के दिग्गज एम.सी. मैरी कॉम और भारोत्तोलक मीराबाई चानू) प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने मणिपुर में भारत का पहला खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, 'भाजपा सरकार ने पहले ही राज्य में एक अनूठी खेल संस्कृति विकसित की है और मणिपुर देश के खेल केंद्रों में से एक होगा।'

मोदी ने कहा कि मणिपुर के लोगों की जनसांख्यिकी, संस्कृति और परंपरा की रक्षा के लिए केंद्र सरकार ने राज्य की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए इनर लाइन परमिट जारी किया है।

यह घोषणा करते हुए कि केंद्र और राज्य सरकार एमएसएमई क्षेत्रों का जोरदार समर्थन कर रही है, प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय पाम तेल खेती मिशन भी शुरू किया है और इससे मणिपुर के किसानों को काफी हद तक मदद मिलेगी।

यह कहते हुए कि भाजपा सरकार ने मणिपुर में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई योजनाएं और परियोजनाएं शुरू की हैं।

भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से कहा कि प्रदेश की जनता की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनाना बहुत जरूरी है।

मणिपुर में भाजपा सरकार की सफलता का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि पांच साल में पाइप से पानी के कनेक्शन 25,000 घरों से बढ़ाकर तीन लाख घरों तक किए गए और हजारों गुमराह युवा हिंसक गतिविधियों को छोड़कर जीवन की मुख्यधारा में आए।

आतंकवाद से लड़ने के लिए सभी देशों को एकजुट होना चाहिए : ओम बिरला

अबू धाबी, 22 फरवरी (एजेन्सी)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वैश्विक सुरक्षा और सतत विकास के लिए सभी देशों से एकजुट होकर आतंकवाद की चुनौतियों से लड़ने का आह्वान करते हुए संयुक्त अरब अमीरात में हाल ही में हुए आतंकी हमले की कड़े और स्पष्ट शब्दों में निंदा की है।

अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात की फेडरल नेशनल काउंसिल-संसद के छठे पूर्ण असाधारण सत्र में सांसदों को सम्बोधित करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत और यूएई के लगातार मजबूत होते संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकवाद के संबंध में दोनों देशों की साझी चिंता वर्तमान क्षेत्रीय और वैश्विक परिऑश्य में हमारे सहयोग को नया रूप दे रही है। उन्होने कहा कि भारत और यूएई की आर्थिक साझेदारी क्षेत्रीय और वैश्विक समृद्धि का एक प्रभावी माध्यम बन सकती है।

बिरला ने 3 ई अर्थात एनर्जी, एकोनॉमी और प्रवासी के स्तंभों पर भारत और यूएई के साझा हित और प्रगाढ़ होने का भी दावा किया। आपको बता दें कि ओम बिरला लोक सभा के पहले अध्यक्ष हैं जिन्होंने संयुक्त अरब अमीरात की संघीय

राष्ट्रीय परिषद- संसद के सदस्यों को संबोधित किया है। यूएई के सांसदों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि भारत ने आतंकवाद के सभी रूपों का सदैव विरोध किया है। उन्होने जोर देकर कहा कि वैश्विक सुरक्षा, स्थिरता और सतत विकास के लिए यह आवश्यक है कि विश्व के सभी राष्ट्र आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद की चुनौतियों से लड़ने के लिए एकजुट हों। उन्होंने कहा कि धार्मिक कट्टरता और आतंकवाद से बढ़ते खतरों और लोगों की सुरक्षा के संबंध में भारत और यूएई की साझा चिंता वर्तमान क्षेत्रीय और वैश्विक परिऑश्य में दोनों देशों के सहयोग को नया रूप दे रही है।

बिरला ने 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा और 2016 में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस की भारत यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते ने द्विपक्षीय संबंधों को एक नया आयाम देने के साथ साथ भावी आर्थिक विकास का आधार भी तैयार किया है।

उन्होंने सुझाव दिया कि दोनों देशों के लिए एक मौका है कि वे एकजुट होकर अपनी मित्रता और साझेदारी को और सशक्त करें ताकि दोनों देशों की जनता को इसका अधिकतम लाभ मिल सके।

बिरला ने यूएई द्वारा पिछले वर्षों में लोकतंत्र को व्यापक आधार देने तथा संसद में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए किए गए फैसलों का भी स्वागत किया। यूएई में रहने वाले प्रवासी समुदायों में से भारतीय समुदाय को सबसे बड़ा बताते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय देश के आर्थिक विकास के साथ-साथ दोनो देशों को जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। लोक सभा अध्यक्ष ने निवेशकों को भारत में निवेश के लिए लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि भारत आज विश्व का अग्रणी इनवेस्टमेंट डेस्टिनेशन बन गया है और डिजिटल इकोनॉमी, मानव संसाधन और स्मार्ट शहरीकरण की दिशा में की जाने वाली पहलों से उत्पन्न नए अवसरों का लाभ यूएई की कंपनियां उठा सकती हैं।

इससे पहले, संयुक्त अरब अमीरात की संघीय राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष एच.ई. सकर गोबाश ने संघीय राष्ट्रीय परिषद में बिरला का स्वागत किया। आपको बता दें कि, यूएई की संसद के निमंत्रण पर भारतीय सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में यूएई के दौरे पर है।

आशीष मिश्रा की जमानत को शीर्ष कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी हिंसा में मारे गए किसानों के परिवारों ने केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे और मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की है।

मारे गए किसानों के परिवारों के तीन सदस्यों ने उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के 10 फरवरी के जमानत आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए कहा कि यह फैसला कानून की नजर में टिकने लायक नहीं है, क्योंकि इस मामले में राज्य द्वारा अदालत को कोई सार्थक और प्रभावी सहायता नहीं दी गई। जगजीत सिंह, पवन कश्यप और सुखउवदर सिंह ने अधिवक्ता प्रशांत भूषण के माध्यम से दायर की गई याचिका में कहा, जमानत देने के लिए तय सिद्धांतों के संबंध में उच्च न्यायालय के आदेश में राज्य द्वारा ठोस दलीलों की कमी रही और आरोपी राज्य सरकार पर पर्याप्त प्रभाव रखता है। याचिका में कहा गया, उक्त आदेश कानून की नजर में टिकने योग्य नहीं है।

Azadi Ka Amrit Mahotsav

RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT

GOVERNMENT OF SIKKIM
GANGTOK

Press Release

The Ministry of Rural Development has issued an advisory on convergence of Mahatma Gandhi NREGA with Border Roads Organization (BRO). In compliance to the advisory a framework for construction of Roads with Border Roads Organization and MGNREGA was signed between the Rural Development Department, Government of Sikkim and Border Roads Organization on 18th February 2022. Principal Secretary, Shri C.S. Rao (IFS) signed on behalf of the State Government and the Brig. S.P. Singh, Chief Engineer / Project Swastik for BRO in the presence of Special Secretary cum Project Director MGNREGA, Smt Sarika Pradhan and Col. Nilajit Srivastava, Director / Planning, HQ Swastik.

In order to optimize the national outcome and to encourage convergence works in the State MGNREGA and BRO will start its first project in the State. BRO has been involved in construction of roads in Mangan, Pakyong and Gangtok however the road to be taken initially is the Dikchu-Rangang stretch and the work will start soon. The jobcard holders involved in BRO works will not only be paid their daily wage of Rs. 212/- as per the MGNREGA rates but will also get the difference of wage from BRO at par with the BRO workers.

Joint Secretary
MGNREGA-RDD

R.O. No.: 323/IPR/PUB/Classi/2122, DT.: 21.02.2022

GOVERNMENT OF SIKKIM
EAST DISTRICT ZILLA PANCHAYAT
RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT
GANGTOK, SIKKIM

NIT No.: 02(A)/SE(N/E)/EDZP/JJM/2021-22 **Dated: 16/02/2022**

NOTICE INVITING TENDER

For and on behalf of the Government of Sikkim, Superintending Engineer (N/E), EDZP, Rural Development Department invites sealed tenders on Item Rate basis under single bids system from eligible Contractors of **Class II-B Grade** from **23-Syari Constituency** enlisted with the Sikkim Public Works Department for the execution of the work with the details as under.

Sl No.	Name of Work	Civil Work Value i/c 12% GST & 1% Labour CESS (In Lakhs)	Earnest Money (In Lakhs)	Cost of Tender Documents (In Lakhs)	Completion Time
1.	Retro-fitting/Augmentation works for RWSS from 7th Mile Source to Kopibari, Dhotapu, Zimpong, Mamgaon, Maney Gaon & Lower Syari under Kopibari Syari GPU in East Sikkim	₹ 236.852	₹ 5.921	0.50	06 Months

Note:

1. The eligibility of Contractors shall be in accordance with the Notification No:0.1/Gos/R&B/Gen/200506/109(A)/Plg dt.: 28/09/2021. The tender is open only for the Contractor of **23-Syari Constituency.** The Contractors should be a resident and elector of **23-Syari Constituency.** The residential address in the Contractor Englishment Certificate should be within the territorial jurisdiction of **23-Syari Assembly Constituency.**
2. The Earnest Money Deposit indicated in the above table is extempted for Enlisted Women Contractors participating in the bidding process. In case of Women Contractors being qualified as L1 bidder, the issue o the Work Order shall be governed by **Notification No: 104/R&B Dated 08/10/2020.**

Time Schedule

Sl No.	Particulars	Date	Time
1	Date of submission of application along with Bank Receipt	17.03.2022	10:00 am to 4:00 pm
2	Date of issue of Tender Documents and Tender Form on production of TDR. (Refer Note 2 above for Women Contractors)	21.03.2022	10:00 am to 4:00 pm
3	Submission of bid documents	23.03.2022	10:00 am to 1:00 pm
4	Opening of bid documents	23.03.2022	2:00 pm onwards

CONDITIONS OF CONTRACT

1. The intending tenders/contractors should apply in writing for the issue of tender documents. The application would invariably be signed by the contractor himself/herself. The tender documents shall not be issued to any person other than **the INTENDING TENDERER**.
2. The applicants should enclose attested copies of following along with the application:
   a) Validated/Updated Contractor Enlistment Certificate. Further, it is mandatory to produce the Original validated/updated Enlistment Certificate during sale/issue of the Tender Document for verification.
   b) Latest Goods & Service Tax Clearance Certificate issued from the office of the Commercial Tax.
   c) Professional Tax Clearance Certificate issued from the office of Commercial Tax.
   d) PAN Card.
   e) Bank Receipt in original.
   f) Voter ID card.
   g) Aadhaar Card.
3. The intending tenderers/contractors should apply in writing to the Superintending Engineer (N/E), EDZP, Rural Development Department for issue of tender documents. The same should be accompanied by a Bank Receipt of the State Bank of Sikkim (non-refundable) under the receipt **Head: 0210.01.800-other receipts"** in favour of the Accounts Officer, EDZP, Rural Development Department. Tender form and documents shall be issued only on production of the TDR. In case of the Enlisted Women Contractors participating in the bidding, the cost of the earnest Money Deposit shall be governed by **Notification No: 104/R&B Dated 08/10/2020.**
4. Earnest Money Deposit @2.5% of the cost put to tender shall be deposit in the form of Temporary Deposit Receipt/ Fixed Deposit Receipt from the State Bank of Sikkim or any Nationalized Bank in favor of the Account Officer, EDZP, Rural Development Department. Tender form and documents shall be issued only on production of the TDR. In Case of the Enlisted Women Contractors participating in the bidding, the cost of the Earnest Money Deposit shall be governed by **Notification No: 104/R&B Dated 08/10/2020.**
5. The soft copy of the **BOQ/SCHEDULE OF QUANTITIES** shall be provided along with the tender documents on submission of Earnest Money Deposit as mentioned vide sl no 4. The intending tenderers/contractors shall submit his/her bid in the printed format as per the soft copy of the **BOQ/SCHEDULE OF QUANTITIES** provided. In case the bidder submits the bids in hand written format, the same shall be summarily rejected.
6. The tenderer shall inspect the site and have their own correct assessment before submitting the bid.
7. The tender Documents, including the TRD, Tender Form with quoted offer in the **BOQ/SCHEDULE OF QUANTITIES** provided should be placed in a sealed cover with the name of the tenderers and the name of the work superscripted on it. The tenderer should sign on every page of the tender documents as acceptance of the general direction and conditions of the contract and other laid down norms. Supporting documents listed vide Sl. No. 2 should be enclosed with the offer.
8. Sealed tenders may be deposited in the Tender box in the office of the Superintending Engineer (N/E), EDZP, Rural Development Department, Gangtok on the date and within the time indicated above.
9. The rate quoted should be both in figures and words and should be inclusive of GST and all other Taxes in vogue.
10. Over writing and correction should be avoided and if made should be authenticated. Incomplete/Conditional tenders shall be rejected forthwith.
11. Tenders will be opened by the Tender Opening Committee as prescribed by the Government in the presence of the tenderers on the date and time indicated above.
12. In case of any discrepancy in the specifications printed in the **BOQ/SCHEDULE OF QUANTITIES** issued with the tender documents, specification as per approved Schedule of Rates-2020 will be taken as correct. For items outside the SOR, the decision of the Chief Engineer/Head of the Department will be final.
13. The Department reserves the rights to withhold payments to the contractor unless test certificates are produced by the contractor when called upon to do so.
14. Avoidable damages due to negligence of the contractor shall be at his/her own risk and cost. The department shall not be liale for payment of such damages (if any), including accidents to labours at site.
15. The offer shall remain valid for a period of 90 days. The work should commence within 15 (Fifteen) days from the date of issue work order.
16. All the conditions as mentioned in the NIT shall be deemed to be a part of the agreement to be entered within the contractor. Security deposit shall be collected by deductions from the running bills of the contractor @5% of the value of work done.
17. The department reserves the rights to accept or reject any or all tenders without assigning any reasons thereof.
18. The recoveries including deduction of taxes and duties as applicable shall be as per the rates notified by the Government from time and as applicable on the date of payment.
19. Subletting of contract work is against the norms and if it comes to the notice, the original contract shall be canceled and appropriate action shall be initiated as per the rules.
20. In case the man power employed by the contractors are from outside the State or neighboring countries, it shall be the responsibility of the contractors to the them registered with the labour Department, Government of Sikkim as per the relevant Labour Law.
21. The contractors shall also make arrangements to have photographs of the works taken up at least of three stages during the construction period i.e. beginning, middle and completion state.
22. Quarrying of non-stock materials shall be allowed only from designated/ approved quarries.
23. Damage to properties in and around the work site must be avoided at all cost. The contractor shall be held responsible for any act of negligence and shall bear the responsibility to repair/ restore such damage.
24. Expenditure involved for material testing, cube strength of concrete at site or in laboratories shall be borne by the contractor. The contractor shall make necessary arrangement accordingly as and when instructed by the concerned authorities.
25. The cost of stock materials and other materials, if any, supplied from the Department store will be deducted from the contractors bills the prevalent recovery rate.

Sd/-
Superintending Engineer (N/E), EDZP,
Rural Development Department
Government of Sikkim, Gangtok

R.O. No. 327/IPR/PUB/Classi/21-22
DT.: 22.02.2022

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्टो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com